कारपोरेट कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 18, 2017/आस्विन 26, 1939

साक्षरता 1316(य)।—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिधनर्म, 2013 (2013 का 18) की धारा 458, धारा 459 और धारा 469 के साथ पठित धारा 247 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निर्देशित नियम बनाती है, अर्थातः—

अधिष्ठात

प्रारंभ

1. संशोधित नाम और प्रारंभ।—(1) इन नियमों का संशोधित नाम कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक और मूल्यांकक) नियम, 2017 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ।—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अभिव्यक्त न हो,-

(क) “अधिनियम” से कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) अभिव्यक्त है;

(ख) “प्राधिकरण” से केंद्रीय सरकार द्वारा इन नियमों के अधिन कार्यों के निर्भर हुए लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 458 के अधीन चिनितित प्राधिकरण अभिव्यक्त है;

(ग) “आस्ति वस्त्र” से आजियों के एक ऐसे विशेष समूह, जैसे भूमि और भर्ति, मधीनता और उपकरण, इसी तरह की विशेषताएं दशानिंदा बनाए, जिनका परिवर्तन किया जा सकता है तथा जिनके मूल्यांकक के लिए मूल्यांककों के पृथक समूहों को अंगेज कर लेता है, से अभिव्यक्त है;

(घ) “मान्यता प्रमाणपत्र” से नियम 13 के उप-नियम (5) के अधीन किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांककों के संगठन को दिया गया मान्यता प्रमाणपत्र से अभिव्यक्त है और तद्नुसार “मान्यता” पद का अर्थ लगाया जाएगा;

(ङ) “रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र” से नियम 6 के उप-नियम (6) के अधीन किसी मूल्यांकक को दिया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिव्यक्त है और तद्नुसार “रजिस्ट्रीकरण” पद का अर्थ लगाया जाएगा;
अध्याय II
मूल्यांकनों की पात्रता, बहुताएं और रजिस्ट्रीकरण

3. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन के लिए पात्रता – कोई व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन बनाने के लिए पात्र होगा यदि –

(१) वह किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन का मूल्यांकन दल्ले पात्र होगा यदि –

रजिस्ट्रीकरण- इस खंड के प्रयोजनार्थ, "मूल्यांकन सदस्य" किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन का ऐसा सदस्य होगा जिसके पास मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकृत लिए जाने हेतु अपेक्षित वैश्विक अनुमति और अनुसंधान है;

(२) उसकी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन, जिसका वह मूल्यांकन सदस्य है, द्वारा मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए उसकी सिफारिश की गई है;

(३) उसने नियम 6 के अधीन रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्व नियम 5 के अधीन मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण की है;

(४) उसके पास नियम 4 में यथाविर्यानिर्दिष्ट अहाताएं और अनुसंधान है;

(५) वह अवयस्क नहीं है;

(६) उसे किसी व्यक्ति द्वारा घोषित नहीं किया गया है;

(७) वह एक अनुमोदित विवादित नहीं है, या विवादित के रूप में न्याय-निर्णय दिया जाने के लिए आवेदन नहीं किया है;

(८) वह ऐसा व्यक्ति है, जो भारत में निवास करता है;
स्पष्टीकरण- इन नियमों के प्रयोजनार्थ ‘भारत में निवास करने वाला व्यक्ति’ का बहरी अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 का खंड (फ) में उसका है।

(अ) उसे किसी सभ्यता न्यायालय द्वारा दंडनीय किर्कियाल अपराध के लिए या किसी ऐसे अपराध के लिए जिसमें नैतिक अधिकार अंतर्निहित है, छोड़ मामले में अनधिकारी अवधि के लिए दोषपत्रिक निकाला गया है का कारावास और इस कारावास की समाप्ति की तारीख में पांच वर्ष की अवधि समाप्त नहीं हुई है:

परंतु कि यदि कोई व्यक्ति किसी अपराध के लिए दोषपत्रिक निकाला गया है और उस संबंध में मात्र साल या उससे अधिक अवधि के लिए कारावास की सजा मुनाफा गई है तो वह रजिस्ट्रीकृत निकाले जाने के लिए पात्र नहीं होगा;

(ब) उस पर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 271(अ) के अधीन शास्त्रीय नहीं लगायी गई है और आयकर आयुक्त (अधीन) या आयकर अधीन अधिकार, यथास्थिति, के समान अधीन दायर करने की समवस्थामा समाप्त हो गई है, या ऐसी शास्त्रीय की आयकर अधीन अधिकार द्वारा पुष्ट की गई है, और ऐसी शास्त्रीय लगाए जाने के बाद पांच वर्ष व्यवस्था नहीं हुए हैं; और

(ब) वह योग्य और उपयुक्त व्यक्ति है:

स्पष्टीकरण- अधिकारभित्र यह अवधारित करते के लिए कि कोई व्यक्ति इन नियमों के अधीन योग्य और उपयुक्त व्यक्ति है, निम्नलिखित मान्यता महिलां के रत्न पर यदि इन सीधे सम्बन्ध न रहते हुए किसी भी सूचना मान्यता पर विचार कर सकता है –

(i) सत्यनिष्ठ, प्रतिष्ठा और चरित्र,
(ii) दोषपत्रिक और रोक लगाने के आदेशों की अनुपस्थिति, और
(iii) सशक्तता और विश्वासी शोधन धमना।

(2) कोई भारी कार्यकारी अस्तित्व या कंपनी लीजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के रूप में पात्र नहीं होगी यदि–

(क) उसकी स्थापना मूल्यांकन सेवाओं महिला प्रतिष्ठा या विश्वासी सेवाओं उपलब्ध कराने के अनुसार अन्य उद्देश्य के लिए की गई है और किसी कंपनी के मामले में, यह कोई अनुपस्थित, संबंध उद्देश्य या किसी अन्य कंपनी या कारपोरेट निकाय की सहायक कंपनी नहीं है;

(ब) वह किसी दिल्ली समाधान के सीर से गुजर रही है या अनुमोदित दिल्ली है;

(भ) उसके सभी भारी कार्यकारी या निदेशकों, यथास्थिति, उपनियम 1 के खंड (प), (प), (प), (प), (प), (प), (प) और (प) के अधीन अपात नहीं है;

(त) भारी कार्यकारी अस्तित्व या कंपनी, यथास्थिति, के माय या भारी भारी दायर या निदेशक, जो भी कम हो, रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक नहीं है; या

(द) इसका कोई भी भारी कार्यकारी या निदेशक, यथास्थिति, मूल्यांकन के लिए आस्था वर्ग है, जिसके लिए वह एक रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक बनना चाहता है, का रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक नहीं है।
4. अहैत्याएं और अनुव - किसी व्यक्ति के पास नियम 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का पात्र बनने के लिए निःशंकित अहैत्याएं एवं अनुम बनाए जाइए, अथवा –

(क) भारतीय विधि द्वारा स्थापित, मान्यताप्राप्त या निगमित किसी विभिन्नविधायक या संगठन से विनिर्दित विधा में खातकों की दिवि या खातकों की विद्यमान एवं उसके प्राप्त विनिर्दित विधा में न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव; अथवा

(ख) भारतीय विधि द्वारा स्थापित, मान्यताप्राप्त या निगमित किसी विभिन्नविधायक या संगठन से विनिर्दित विधा में खातक की दिवि या समक्ष और उसके प्राप्त विनिर्दित विधा में न्यूनतम पांच वर्ष का अनुभव; अथवा

(ग) किसी वृत्ति के नियम के प्रयोजन के लिए संस्था के किसी अधिनियम द्वारा अधिनियमित किसी वृत्ति की सदस्यता के साथ ऐसी सदस्यता के प्राप्त न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव और खंड (क) या (ख) में निर्दित अहैत्याएं; अथवा

स्पष्टीकरण-1 - इस खंड के प्रयोजन के लिए ‘विद्यमान विधा’ का अनुचित या अनुदान या यथार्थ न्यूनतम हेतु सुसंगत है, जिसके लिए इन नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकृत मूल्र्बांक संगठन के रूप में एक मूल्र्बांक या मान्यता के रूप में रजिस्ट्रीकरण कार्य करता है।

स्पष्टीकरण-2 - विभिन्न आधिकारिक वाङ्में के लिए अनेक विधियाँ अनुम तथा प्रधानिय इन नियमों के उपरांत-IV में दर्शाई गई रीति में दिए गए हैं।

5. मूल्र्बांक परीक्षा – (1) प्राधिकरण, व्यक्तियों के लिए, जो नियम 4 में यथावति बहरि हो और किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्बांक संगठन के सदस्य के रूप में अपनी शैलीक पाठ्यक्रम पूरा कर चुका हो, के लिए एक या अधिक आधिक वाङ्में के लिए उनके मूल्र्बांक संबंधी वृत्ति जान, कौशल, मूल्र्बांक और नैतिक जान या तो स्वच्छ या किसी नामीनिर्दित संगठन के माध्यम से करेगा मूल्र्बांक परीक्षा आयोजित करेगा:

परिचय के प्राधिकरण किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्बांक संगठन द्वारा इसको मान्यता दिए जाने से पहले संयोजित किए गए किसी शैक्षिक पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों को मूल्र्बांक परीक्षा के लिए उपलब्ध नया होने के उद्देश्य के लिए मान्यता देने सकता है:

परिचय के यह भी के प्राधिकरण किसी विभिन्नविधायक द्वारा आयोजित तारीय या खातकों की दिवि विधा या पाठ्यक्रम के रूप में आयोजित किसी परीक्षा जो मूल्र्बांक परीक्षा के समक्ष हो, को मान्यता देने सकता है।

(2) प्राधिकरण इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा आयोजित विशेषताओं की एक या अधिक समितियों की समाजसेवा पर मूल्र्बांक विशेष विषयों या आदित्यों के बारे के लिए पाठ्य विस्तार अधिनियमित करेगा।

(3) मूल्र्बांक परीक्षा का पाठ्य विस्तार, रूप और आवश्यक अंकों महत्व परीक्षा से न्यूनतम तीन माह पहले प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।

(4) कोई व्यक्ति जो मूल्र्बांक परीक्षा पास करता है, परीक्षा पास करने की पावती प्राप्त करेगा।

(5) कोई व्यक्ति जिसने भी बार मूल्र्बांक परीक्षा के लिए उपलब्ध नहीं है।
6. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र हेतु आवेदन – (1) नियम 3 के अंतिम रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के रूप में रजिस्ट्रीकरण हेतु कोई पात्र व्यक्ति प्राधिकरण के पांच हज़ार रुपए के तल की आवेदन शुल्क सहित उपाबंध-II के प्ररूप-क में आवेदन कर सकता है।

(2) नियम 3 के अंतिम रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के रूप में रजिस्ट्रीकरण हेतु कोई पात्र भारतीय अर्थव्यवस्था या कंपनी प्राधिकरण के पांच हज़ार रुपए के तल की आवेदन शुल्क सहित उपाबंध-II के प्ररूप-ब में आवेदन कर सकता है।

(3) प्राधिकरण आवेदन की जांच करेगा और आवेदक को आवेदन में कमियाँ, यदि कोई है तो, को दूर करने के लिए इक्कीस दिन द्वारा आवेदन कर सकेगा।

(4) प्राधिकरण, आवेदक से इक्कीस दिन के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज़ या स्पष्टीकरणों प्रस्तुत करता है, प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा।

(5) प्राधिकरण आवेदक को आवेदन की प्रक्रिया हेतु स्पष्टीकरण या व्याख्या देने के लिए आवेदक को व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रधानधन के माध्यम से बीस दिन के भीतर प्राधिकरण के समय उपस्थित होने की अपेक्षा कर सकेगा।

(6) यदि प्राधिकरण का ऐसी संबंधित, या पूर्वावधार, जो आवश्यक प्रतीत हो, से समाधान हो जाता है कि आवेदक इन नियमों के अंतिम पान से तो वह अतिरिक्त दस्तावेज़, सूचना या स्पष्टीकरण, या व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने, यथास्थिति, के लिए प्राधिकरण द्वारा दिए गए समय को छोड़कर, आवेदन प्रस्तुत के नाम दिनों के भीतर उपाबंध-II के प्ररूप-ग में सुसंगत आवश्यक वर्ग या वर्गों के लिए रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के कार्यक्रम करने के लिए आवेदक को रजिस्ट्रीकरण का एक प्रमाणपत्र देकर आवेदन कर सकता है।

(7) इन नियमों के अंतिम कारण द्वारा आवेदन पर विचार करने के बाद, यदि प्राधिकरण की प्रथम इंतज़ार यह राय है कि रजिस्ट्रीकरण नहीं प्रदान किया जाना चाहिए तो वह इतिहास दूर करने, अतिरिक्त दस्तावेज़, सूचना या स्पष्टीकरण, या व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने, यथास्थिति, के लिए दिए गए समय को छोड़कर आवेदन प्रस्तुत के पैंतालीस दिन के भीतर, ऐसी राय बनाने के कारणों को मूल्यीकृत करेगा।

(8) आवेदक सूचना प्रस्तुत से पंद्रह दिन के भीतर उप-नियम (7) के अंतिम कारण आवेदन स्वीकार किए जाने के लिए एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करेगा ताकि प्राधिकरण अंतिम राय बन सके।

(9) आवेदक द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण, यदि कोई है तो, पर विचार करने के बाद उप-नियम (8) के अंतिम प्राधिकरण प्रस्तुत करेगा ताकि प्राधिकरण अंतिम राय बन सके।

(10) प्राधिकरण स्पष्टीकरण प्रस्तुत के तीस दिन के भीतर आवेदक को प्रत्यावर्तन घोषित करेगा।

7. रजिस्ट्रीकरण की शर्तें – नियम 6 के अंतिम रजिस्ट्रीकरण इन शर्तों के अंतर्गत प्रदान किया जाएगा कि मूल्यांकक –

(क) नियम 3 और 4 के अंतिम व्याख्यानिते पात्र और अहंता और अनुभव हर समय रखेगा;
(ि) संबर,ंधित रधिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगठन के अधिनियम, इन नियमों और उप-नियमों, या अंतरिक विनियमों का यथास्थिति के
उपरबंधों का हर समय अनुपालन करेगा;

(ि) एक रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक के रूप में अपनी श्रमता में उन आदित्यों या आदित्यों के वर्ग(वर्गी) के अनुसार िोई मूल्र्ांकन नहीं
करेगा, जिसके लिए वह पारिक्षण द्वारा उसे रजिस्ट्रीकृत किया गया है;

(ि) एक रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकन संगठन से दूसरे में अपनी सदस्यता यथानांतरित करने के लिए पारिक्षण की पूर्व अनुमति लेगा;

(ि) शिकायतों के निवारण हेतु पर्याय कदम उठाएगा;

(ि) स्वयं द्वारा लिए गए सभी कार्यों की समाप्ति से कर से कर सीन वर्गों के लिए ऐसे कार्यों का अभिलेख रखेगा;

(ि) उस रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगठन, जिसका वह सदस्य है, की आचार संहिता (इन नियमों की उपाधं) के अनुसार)
का पालन करेगा;

(ि) भागीदारी असंचय या कंपनी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक के मामले में, जिस आदित्य वर्ग का मूल्र्ांकन किया जा रहा है, उसके
िए केवल उसी भागीदार या निवेशक, जो रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक है, को उसके निमित हथार करते और कार्य करने के
िए अनुमति देगा;

(ि) यदि कोई भागीदारी असंचय या कंपनी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक है तो वह यथास्थिति की, यथास्थिति, ऐसे भागीदार का
निवेशक द्वारा, जो कंपनी के सुसंगत मूल्र्ांकन संबंधी कार्यक्रम के संबंध में हथार और कार्यवार करेगा, भागीदारी
असंचय या कंपनी में नियोजित या अभिवादन की गई पूर्वों के विनायक को प्रकट करेगा.

(ि) यदि भागीदारी असंचय रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक है तो वह उस भागीदार, जो भागीदारी संगठन की ओर से मूल्र्ांकन कार्यों
के संबंध में हथार और कार्य करता है, के साथ संबंध रूप से और पृथक रूप से जिम्मेदार होगी;

(ि) यदि कंपनी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक है तो वह कंपनी उस निवेशक, के साथ जो कंपनी के निमित कार्यों के संबंध में हथार
िर्कर तथा कार्य करता है, के साथ-साथ जिम्मेदार होगी;

(ि) यदि भागीदारी असंचय या कंपनी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक है तो वह कंप. भागीदार या निवेशक, यथास्थिति, जो
रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक हो, को हटाने के मामले में, इस तरह इंटर करने के बिना कारणों सही पारिक्षण को तुरंत सुचित
करेगी; और

(ि) अन्य ऐसी शर्तें, जो प्रारंभिक द्वारा लगाई जा सकती हैं, का पालन करेगा।

8. मूल्र्ांकन का किया जाना – (1) रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक मूल्र्ांकन करते समय नियम 18 के अधीन यथास्थिति का उपार्तित
अनुसार मूल्र्ांकन मानकों का अनुपालन करेगा:

परंतु केंद्रीय सरकार द्वारा मूल्र्ांकन मानकों के अधिसूचनित या उपार्तित अनुसार मूल्र्ांकन मानकों का अनुपालन करेगा –

(ि) अंतरराष्ट्रीय रूप से स्थीरकृत मूल्र्ांकन मानक;

(ि) कंपनी रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगठन द्वारा अपनाए गए मूल्र्ांकन मानक;

(ि) रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक, अपनी मूल्र्ांकन रिपोर्ट के लिए इंस्ट्रक्ट अभिप्राप्त कर सकेगा और कंपनी के लिए कंपनी अन्य रजिस्ट्रीकृत
मूल्र्ांकक से पृथक मूल्र्ांकन प्राप्त कर सकेगा, ऐसे मामले में अपनी रिपोर्ट में अन्य रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक के इंस्ट्रक्टों और विषयों के
व्यवहार पूर्व रूप से प्रकट करेगा और अन्य रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक द्वारा किए गए, इंस्ट्रक्ट या मूल्र्ांकन की प्रकृति पर विचार किए, बिना
पारिशालक मूल्र्ांकक के विरुद्ध दावेदार व्यवहार उल्लिखित मूल्र्ांकक का ही रहेगा।

(ि) मूल्र्ांकक अपनी रिपोर्ट में निपरिपार मानक करेगा –
(क) मूल्यांकन किए जाने वाले आधार की पुष्टि सुनाना;
(ख) मूल्यांकन का उद्देश्य और निर्दिष्ट प्राधिकारी;
(ग) मूल्यांकन में सम्मिलित मूल्यांकक और किसी अन्य विषयों की पहचान;
(घ) मूल्यांकक के रिटर्न या विरोध, यदि कोई है, का प्रकटीकरण;
(ङ) निर्दिष्ट की तारीख, मूल्यांकक की तारीख और रिपोर्ट की तारीख;
(च) किए गए निरीक्षण और/या अन्वेषण;
(छ) प्रत्यय सूचना/विशेषण पर सूचना आपूर्ति है उसकी प्रकृति और बोध;
(च) मूल्यांकन करने में अग्रसर दी प्रबंधन या मूल्यांकन पदों;
(ड) इसके प्रबंधन पर प्रभाव, यदि कोई हो;
(ड) मूल्यांकन के दौरान प्रणाली में ज्यादा क्रूरता;
(ट) निर्दर्शण और
(घ) मूल्यांकन करने में अपनाई गई प्रदर्शन और मूल्यांकन प्रक्रिया;
(झ) इसके प्रभाव पर प्रमाण, यदि कोई हो;
(ञ) मूल्यांकन के तौर पर अनुप्रयोग में आए हुए क्रूरता;
(ट) धनष्कषय;
(ि) मूल्यांकन निर्देशन के लिए उसकी जिराफ़री की सीमाओं में प्रयोजनक मूल्यांकन द्वारा सामना नहीं की गई सीमाओं को स्पष्ट करने और समझाने की चेतावनी, सीमाएं और प्रकटीकरण।

9. अधिनियम अनुसार – (1) कोई रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक, रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के उप-विषयों या विनियमों, यथायोग्यता, के अनुसार में अन्यांकित मूल्यांकन करता है और ऐसे अनुप्रयोग पर, मूल्यांकक ऐसी सूचना अभिलक्षित किए जाने हेतु प्राधिकरण को सूचित करेगा।

(2) यदि किसी मूल्यांकक सदस्यों ने अक्षमापी रूप से अपनी सदस्यता अभिलक्षित की है या अक्षमापी अनुप्रयोग के बाद बहाल की है तो अक्षमापी अनुप्रयोग या बहाली, यथायोग्यता, के लिए आवेदन को प्रामाण्य दान देने के अधिकतम तीन माहों में भीतर रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन प्राधिकरण को सूचित करेगी।

(3) रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के मूल्यांकक सदस्यों, जिन्होंने अपनी सदस्यता अभिलक्षित या बहाल की हो, नाम और अन्य व्यक्ति अपनी वेबसाइट पर डालेगा।

10. मूल्यांकक के कृत्य – कोई मूल्यांकक अधिनियम के अंतर्गत इन नियमों के अनुसार अपेक्षित मूल्यांकन करेगा और किसी अन्य विषय के अंतर्गत या किसी अन्य नियमक प्राधिकरण द्वारा अभिलक्षित होने पर यह इन नियमों में अनुसार मूल्यांकन कर सकता है।

11. संपर्कसाधन अवस्था – (1) कोई व्यक्ति, जो अधिनियम, इन नियमों के प्रबंधक द्वारा दी गई है, अतिरिक्त तारीख 31 मार्च, 2018 तक इन नियमों के अंतर्गत रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन प्राधिकरण के बिना मूल्यांकन संबंधित अन्य कानूनों और अन्य नियमक नियमक अपेक्षित होते हैं।

परंतु किसी कंपनी ने ऐसी तारीख पर संबंधित के अंतर्गत मूल्यांकन सेवाएं प्रदान की तारीख 31 मार्च, 2018 तक, तारीख 31 मार्च, 2018 तक इन नियमों के अंतर्गत रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन प्राधिकरण के बिना मूल्यांकन सेवाएं जारी रख सकता है:

प्रति यदि कोई कंपनी ने ऐसी तारीख पर संबंधित के अंतर्गत मूल्यांकन को निर्देश किया है और तारीख 31 मार्च, 2018 तक इसका कोई कंपनी ने ऐसी तारीख पर संबंधित के अंतर्गत मूल्यांकन को निर्देश किया है और तारीख 31 मार्च, 2018 तक इसका कोई भाग पूरा नहीं किया गया है तो मूल्यांकक इसके बाद तीन माह में भीतर ऐसा मूल्यांकन या ऐसी भाग समाप्त करेगा।

अधिनियम- यह ग्राहक किया जाता है कि इस अधिनियम के अन्तर्गत अन्य विषय के अंतर्गत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया गया मूल्यांकन इन नियमों के प्रबंधक द्वारा दी गई तारीख 31 मार्च, 2018 तक इन मूल्यांकन के अंतर्गत रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संबंधित अन्य कानूनों और अन्य नियमक नियमक अपेक्षित होते हैं। इस मामले में यह नियम कानून के अंतर्गत या नियमक नियमक द्वारा विनिर्देश तारीख से ऐसे मूल्यांकन के लिए भी लागू होगी।
अध्याय III
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठनों की मान्यता

12. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठनों के लिए पात्रता – (1) कोई संगठन, जो उप-नियम (2) के अधीन अपेक्षाओं को पूरा करता है, किसी विशेष आशिर्वाद या आशिर्वाद भर्ती के मूल्यांकन के लिए एक रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकता है, वदि—

(1) वह किसी आशिर्वाद या आशिर्वाद भर्ती के मूल्यांककों के नियम में संबंधित मामलों में निगटने के एकमात्र उद्देश्य के साथ कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 25 या कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 8 के अधीन रजिस्ट्रीकृत की गई है और इसकी उपविधि में उपाधि-III में विहित अपेक्षाएँ सम्मिलित हैं;
(2) वह किसी वृत्ति के नियम के प्रयोजनार्थ अधिनियमित संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित कोई व्यक्तिक संस्थान है;

परंतु कि उप-नियम (3) के अध्योपन, निम्नलिखित संगठन भी किसी विशेष आशिर्वाद या आशिर्वाद भर्ती के मूल्यांकन के लिए किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठनों के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकती हैं, अर्थात्—

(क) मोमायडी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या अन्य सुसंगठन राज्य का पूर्व के अधीन मोमायडी के रूप में रजिस्ट्रीकृत संगठन, या
(ख) भारतीय न्याय अधिनियम, 1882 (1882 का 2) द्वारा आशिर्वाद किया गया न्याय के रूप में स्थापित संगठन।

(2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट संगठन को मान्यता दी जाएगी यदि वह—

(क) वैधकों, जो उसके मूल्यांकन सदस्य हो सकते हैं, के लिए अनुमोदन कद्वों में या दूसरे शिक्षा माध्यम द्वारा मूल्यांकन में प्राधिकरण द्वारा नियम 5 के अधीन निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करता है और जिसमें वृत्ति प्रशिक्षण भी सम्मिलित है।
(ख) व्यक्तियों, जो नियम 4 के अनुसार में वथानिर्दिष्ट अर्थीता और अनुभव रखता है, को रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के रूप में मान्यता दिए जाने के लिए आशिर्वाद भर्ती के मूल्यांकन के संबंध में सदस्यता या यथास्थाय प्रमाणपत्र देता है;
(ग) वैधक के योग्य सदस्यों को यथास्थाय प्रमाणपत्र जारी किए जाने से पहले उनके लिए प्रशिक्षण आयोजित करता है;
(घ) मूल्यांककों, जो उसके सदस्य हैं, के लिए उपाधि-I में वथानिर्दिष्ट सभी प्रावधानों को सम्मिलित करते हुए एक आचार संहिता निर्धारित और लागू करता है;
(ड) वैधकों, जो उसके सदस्य हैं, के लिए शिक्षा जारी करने देते उपबंध करता है;
(च) मूल्यांककों, जो उसके सदस्य हैं, की सेवा गुणवत्ता महत्वपूर्ण प्राप्ती पर निर्भर रहता है और समीक्षा करता है; तथा
13. मान्यता के लिए आवेदन – (1) कोई पात्र संगिन, जो नियम 12 में विनिर्दिष्ट नहीं है संगिन को पूरा करती है, अंतिम वर्ग या अंतिम वर्गों के लिए एक रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगिन के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु उपाधेम-III के प्रूप-म वास्तवमें प्राधिकरण के पश्चात एक नाम रूपाए का गैर-बासी योग्य सुनिश्चित आवेदन गुल्क देकर आवेदन कर सकती है।

(2) प्राधिकरण आवेदन की जांच करेगा और आवेदक को आवेदन में कमियों, यदि कोई है तो, को दूर करने के लिए उपधनर्ियष्ट उपस्त्तात उपधस्ट्थतत कर सकता है।

(3) प्राधिकरण आवेदक से इक्कीस दिन के बीत्र अतिरिक्त दस्तावेजों या स्पष्टीकरणों, जैसा उचित प्रतीत हो, प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकता है।

(4) प्राधिकरण आवेदक को आवेदन की प्रज्ञा हेतु स्पष्टीकरण या व्याख्या देने के लिए आवेदक को व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से इक्कीस दिन दे प्राधिकरण के बीत्र प्राधिकरण के मस्ती उपस्थित होने की अपेक्षा कर सकता है।

(5) यदि प्राधिकरण का ऐसी संबंधी, निरीक्षण या पूछताछ, जैसा आवेदक प्रतीत हो, से समाधान हो जाता है कि आवेदक इन नियमों के अंतिम पात्र है तो वह उपाधेम-III के प्रूप-ड के रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगिन के रूप में मान्यता का एक प्रमाणपत्र दे सकता है।

14. मान्यता की शर्तें – (1) नियम 13 के अंतिम दी जाने वाली मान्यता इन शर्तों के अंतिम होगी कि रजिस्ट्रीकृत मूल्र्ांकक संगिन –
(क) नियम 12 के अधीन विनिर्दिष्ट अपेधित पात्रता हमेशा पूरी करेगा;

(ख) उन सदस्यों का, जो रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक हैं, एक रजिस्ट्री रखेंगा, जिसे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा;

(ग) केवल उन वैर्धिकों को सदस्यों के रूप में स्वीकृत करेगी जो नियम 4 और इसके मान्यता प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट अनुसार अपेधित शैक्षिक अहयता और अनुशासन रखते हैं;

(घ) प्राधिकरण द्वारा अपेधित किए जाने पर ऐसी रिपोर्ट्स को वैधानिक रूप से प्राप्त करेगी;

(ड.) प्राधिकरण द्वारा जारी किसी भी विचारित्व और नियम 12 के उप-नियम (2) के बंद (क) के अधीन मूल्यांकक संगठन द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रक्रिया के मंत्र में प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पात्र तथा;

(ज) यदि वह नियम 12 के उपनियम (1) के परंपरा के अधीन मान्यता प्राप्त एक संगठन है तो इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख पर एक वर्ष की अवधि के भीतर उपाध्याय-III में विनिर्दिष्ट शासन की संरचना या विधियों सहित अधिनियम की धारा 8 के अधीन एक कंपनी के रूप में परिवर्तित या रजिस्ट्रीकृत की जा सकती है;

(झ) यदि वह नियम 12 के उपनियम (1) के बंद (i) में विनिर्दिष्ट एक मान्यता प्राप्त संगठन है और इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख को विचारित की जाएगी तो उसकी शासन की संरचना होगी और इन नियमों के प्रवृत्त होने पर एक वर्ष के भीतर उपाध्याय-III में विनिर्दिष्ट अपेधित इसके उपविधियों को अभिमान करेगी;

(ञ) अपने प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के विरुद्ध नियम 17 के अधीन उसकी गई अनुशासनात्मक कार्यवाही सहित उसकी अनुमति और विश्वसनीय धार्मिक अनुपालन पर दस्ताएं; और

(ट) प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली ऐसी अन्य अवधि का पात्र करेगी।

अध्याय IV

रजिस्ट्रीकरण या मान्यता प्रमाणपत्र को रद्द करना या निलंबित करना

15. रजिस्ट्रीकरण या मान्यता प्रमाणपत्र रद्द या निलंबित करना – प्राधिकरण किसी मूल्यांकक के रजिस्ट्रीकरण का या किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन की मान्यता अधिनियम, उसे मूल्यांकन कार्य करने की अनुमति देने वाली अन्य विधि के उपर्युक्त, इन नियमों या रजिस्ट्रीकरण या मान्यता की अवधि का उल्लंघन करने के लिए, नियम 17 में विनिर्दिष्ट रीति में रद्द या निलंबित कर सकता है।

16. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के विरुद्ध शिकायत – किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के विरुद्ध प्राधिकरण में व्यक्ति रुप से या दल द्वारा या कोरियर द्वारा प्राधिकरण के पवित्र रूप से एक हजार रुपए के गैर-पुनरुपयोग के रूप में योग्य सन्निहित एक शिकायत कार्य की जा सकती है और प्राधिकरण शिकायत की जांच करेगा तथा ऐसी आवश्यक कार्यवाही करेगा, जैसा वह उचित समझे:

परंतु किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक, जो किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन का कोई भागीदार या निर्देशक है, के विरुद्ध शिकायत के मामले में प्राधिकरण ऐसे संगठन को शिकायत में जुटेगा और वह संगठन अपनी उपविधियों के आधार पर उस शिकायत का निर्णय करेगा।
रजिस्ट्रीकरण या मान्यता प्रमाणपत्र को रद्द या निलंबित करने के लिए किए जाने वाली कार्यवाही – (1) किसी निरीक्षण या अन्वेषण, या प्राप्त विकास या अभिलेख में उपलब्ध अथवा मामली के परिणामों के आधार पर, यदि प्राधिकृत अधिकारी का प्रथम उद्देश्य राय है कि किसी मूल्यांकन का रजिस्ट्रीकरण रद्द या निलंबित करने अथवा किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन की मान्यता रद्द या निलंबित करने के लिए पवित्र कारण हैं तो वह मूल्यांकन या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन को एक कारण बताओ सूचना जारी कर सकता है।

परंतु नियम 12 के उपनियम (1) के यंद (ii) में विखित किसी संगठन, जिसे मान्यता दे दी गई है, के मामले में प्राधिकृत अधिकारी निरीक्षण या अन्वेषण करने की बजाय, रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन से निर्धारित समय के भीतर अपेक्षित सूचना मांगेगा और किसी भी के मामले में निरीक्षित समय के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का एक और अवसर देगा, इसमें असफल रहने या पवित्र अथवा संचालकसंग सूचना उपलब्ध नहीं करने के मामले में इस नियम के अधीन प्रदर्शण के लिए प्रबंधित करेगा।

(2) कारण बताओ सूचना निलंबित होगा और उसमें निम्नलिखित उल्लिखित होगा –

(a) अन्यतिम और नियम के बे उपवंश जिसके अधीन इसे जारी किया गया है;
(b) कवित कोण का व्यूरा;
(c) कवित कोण के पत्र में सादार का व्यूरा;
(d) अन्यतिम और नियम के उपवंश या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या मान्यता के अभिलेख उल्लंघन, या यह रीति जिसमें सार्वजनिक हित कवित रूप से प्रभावित हुआ है;
(e) यदि आरोपित मिले होते हैं तो प्राधिकरण द्वारा त्यो का जाना वाली प्रसाधित कार्यवाही या जारी किए जाने वाले निर्देश;
(f) उस रीति जिसमें हमें उस पद्धति को कारण बताओ सूचना का जवाब देना अपेक्षित है;
(g) दिए गए समय के भीतर कारण बताओ सूचना का जवाब न देने के परिणाम; और
(j) कारण बताओ सूचना के निष्पादन के लिए अनुपालन का जाना वाली प्रचार।

(3) कारण बताओ सूचना निम्नलिखित रीति द्वारा ताषीत किया जाएगा –

(a) मूल्यांकन या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन को उसके रजिस्ट्रीकृत हो जाने वाले या आदेश पते प्राप्त कर सकता है;
(b) मूल्यांकन या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन द्वारा प्राधिकरण को दिए गए ई-मेल पते पर एक उचित इलेक्ट्रानिक माध्यम से।

(4) प्राधिकृत अधिकारी न्याय के प्राकृतिक मित्रों का अनुपालन करने हुए कारण सहित आदेश कारण बताओ सूचना का निष्पादन करेगा।

(5) कारण बताओ सूचना के निष्पादन में आदेश निम्नलिखित उपवंश कर सकता है –

(a) कोई कार्यवाही नहीं;
(b) चेतावनी; या
(c) रजिस्ट्रीकरण या मान्यता को निलंबित या रद्द करना; या
(घ) रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के किसी एक या अधिक भाषायादर या निर्देशक या शासी बोर्ड में परिवर्तन।

(6) उप-नियम (5) के अधीन किसी रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन की मान्यता को रद्द करने वाले पारित आदेश में समयसीमा उल्लिखित होनी जिसके भीतर इसके समय मूल्यांकन आत्मिक वर्ग के मूल्यांकन हेतु अपने रजिस्ट्रीकरण के लिए पुनर्चक्र सीं बिना किसी अन्य रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन की सदस्यता वो सकता है।
उप-नियम (5) के अधीन पारित आदेश संबंधित व्यक्ति को तुरंत जारी किया जाएगा और प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

उप-नियम (5) के अधीन पारित आदेश अनुच्छेद वाले जाने के सिवाय आदेश को जारी करने के तारीख से तीस दिन समाप्त होने तक प्रभावी नहीं होगा।

निर्णायक प्राधिकारी के आदेश से असमंगत कोई अंश उप-नियम (5) के अधीन प्राधिकरण के समय एक अंश कर सकता है।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजनार्थ, प्राधिकृत अधिकारी प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट कोई अधिकारी होगा।

अध्याय V
मूल्यांकन मानक

18. मूल्यांकन मानक – केंद्रीय सरकार, मूल्यांकन मानक अधिसूचित करेगी और नियम 19 के अधीन गठित सलाहकार समिति की सिफारिशें पर संशोधित (समय-समय पर) कर सकती है।

19. मूल्यांकन मामलों पर सलाह देने हेतु समिति – (1) केंद्रीय सरकार, कंपनियों और रजिस्ट्रीय मूल्यांककों द्वारा अनुपालन के लिए मूल्यांकन मानक और नीति-निर्माण और नियामित करने पर सिफारिश करने के लिए “मूल्यांकन मामलों पर सलाह देने हेतु समिति” के नाम से एक सलाहकार समिति का गठन कर सकती है।

(2) सलाहकार समिति में नियुक्ति होंगे -

(क) एक अध्यक्ष, जो प्रतिष्ठित और मूल्यांकक, नेवारकारिता, बिजली, व्यवसाय प्रशासन, व्यवसाय विधि, कार्यों विधि, अर्थशास्त्र में प्रवीण व्यक्ति होगा;

(ख) कार्यों कंसाल्य द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(ग) भारतीय विभाग और शोधन अधिकारियों द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(घ) विभागीय विभाग द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(ड.) उन प्राधिकरणों से जो रजिस्ट्रीय मूल्यांककों द्वारा मूल्यांकन की अनुमति देते हैं, केंद्रीय सरकार द्वारा नामीनिर्दिष्ट अधिकतम चार सदस्य;

(ब) केंद्रीय सरकार द्वारा नामीनिर्दिष्ट अधिकतम चार सदस्य जो रजिस्ट्रीय मूल्यांकक संगठनों के प्रतिनिधि हैं;

(छ) उद्यम जमान और अन्य हिदायकों को प्रतिनिधित्व करने के लिए केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकरण के परामर्श से नामिनिर्दिष्ट अधिकतम दो सदस्य।

(3) समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और उन्हें दो से अधिक कार्यकाल नहीं दिया जाएगा。

18. मूल्यांकन मानक – केंद्रीय सरकार, मूल्यांकन मानक अधिसूचित करेगी और नियम 19 के अधीन गठित सलाहकार समिति की सिफारिशें पर संशोधित (समय-समय पर) कर सकती है।

19. मूल्यांकन मामलों पर सलाह देने हेतु समिति – (1) केंद्रीय सरकार, कंपनियों और रजिस्ट्रीय मूल्यांककों द्वारा अनुपालन के लिए मूल्यांकन मानक और नीति-निर्माण और नियामित करने पर सिफारिश करने के लिए “मूल्यांकन मामलों पर सलाह देने हेतु समिति” के नाम से एक सलाहकार समिति का गठन कर सकती है।

(2) सलाहकार समिति में नियुक्ति होंगे -

(क) एक अध्यक्ष, जो प्रतिष्ठित और मूल्यांकन, नेवारकारिता, बिजली, व्यवसाय प्रशासन, व्यवसाय विधि, कार्यों विधि, अर्थशास्त्र में प्रवीण व्यक्ति होगा;

(ख) कार्यों कंसाल्य द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(ग) भारतीय विभाग और शोधन अधिकारियों द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(घ) विभागीय विभाग द्वारा नामीनिर्दिष्ट एक सदस्य;

(ड.) उन प्राधिकरणों से जो रजिस्ट्रीय मूल्यांककों द्वारा मूल्यांकन की अनुमति देते हैं, केंद्रीय सरकार द्वारा नामीनिर्दिष्ट अधिकतम चार सदस्य;

(ब) केंद्रीय सरकार द्वारा नामीनिर्दिष्ट अधिकतम चार सदस्य जो रजिस्ट्रीय मूल्यांकक संगठनों के प्रतिनिधि हैं;

(छ) उद्यम जमान और अन्य हिदायकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकरण के परामर्श से नामिनिर्दिष्ट अधिकतम दो सदस्य।

(3) समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और उन्हें दो से अधिक कार्यकाल नहीं दिया जाएगा।
अध्याय VI

विविध

20. उत्ल्यंत्रण के लिए दंड - अन्य क्रिया दानवित्त पर पूर्वाधिकार के बिना यदि कोई व्यक्ति इन नियमों के क्रिया उपबंध का उत्ल्यंत्रण करता है तो वह अधिनियम की धारा 469 की उपधारा (3) के अनुसार दंडनी होगा।

21. मिश्रण क्रय के लिए दंड - यदि कोई व्यक्ति ऐसी क्रिया रिपोर्ट, प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज में, जो अधिनियम वा तदर्थीन बनाए गए नियमों या इन नियमों के क्रिया उपबंध के प्रयोजनों द्वारा या उसके लिए अधिक न है, ऐसा कोई क्रय -

(क) जो क्रिया तात्क्षणिक विशिष्ट में मिश्र है, यदि जानने हुए करता है कि वह मिश्र है; अथवा
(ब) जिसमें क्रिया तात्क्षणिक व्यक्ति का लोग नियम करता है, यदि जानने हुए करता है कि वह तथ्य तात्क्षणिक है;

तो वह अधिनियम की धारा 448 के अधीन दंडनी होगा。

उपाध्याय

रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकनों के लिए आदर्श आचार संहिता

[कृतिया नियम 7 का खंड (द) और नियम 12 के उपनियम (2) का खंड (२) देखें]

सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता

1. एक मूल्यांकन अपने कार्य के संबंध में, अपने ग्राहकों और अन्य मूल्यांकनों के साथ सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता के अधीन मानक अपनाएगा।

2. एक मूल्यांकन अपने समी व्यवसायिक संबंधों में ईमानदार, स्पष्ट और निर्देशों होकर अपनी सत्यनिष्ठा बनाए रखेगा।

3. एक मूल्यांकन यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि वह सही और पर्याप्त सूचना द्वारा करे और क्रिया तथ्य या परिस्थितियों का मिश्रण न बनेगा।

4. मूल्यांकन कोई ऐसी कार्यवाही में निहित होते से चेतावनी जिससे उसके व्यवसाय की अपराधी हो।
5. मूल्यांकन अपनी सेवाएं देते समय लोक हित को सभीपर रखेगा।

व्यावसायिक दंडना और उचित देखभाल

6. एक मूल्यांकन अपने समय उज्ज्वल स्वरूप देने का प्रयास करेगा, कर्मठता में कार्य करेगा, उचित देखभाल सुनिश्चित करेगा और स्वतंत्र व्यावसायिक विश्वास बनाएगा।

7. एक मूल्यांकन सुसंगत तकनीकी और व्यावसायिक मानकों के अनुसार, जो समय समय पर बिनिर्दिष्ट किए जाएँ, व्यावसायिक सेवाएं देगा।

8. एक मूल्यांकन सत्य व्यवसायिक ज्ञान और वृद्धि बनाए रखेगा जिससे व्यवहार में अवरोध बिकास पर आधारित, बिवश्यन बिनिमित्तमौलान्यक्षक सिद्धांतों और तकनीक के आधार पर दक्ष व्यावसायिक सेवा प्रदान कर सके।
9. मूल्यांकन रिपोर्ट की तैयारी में मूल्यांकक अपनी / विभेदकता और देशभाषा के कार्य को अन्वेषक करने की स्थिति उस सीमा तक इसकी मान्यताएं निरीक्षण करना या इसके प्रतीक्षा या विभेदकरण द्वारा उपलब्ध तथ्यों के विवरणों पर आधारित है या सूचना पत्तिक डोमेन पर उपलब्ध है और मूल्यांकक द्वारा सूचित नहीं की गई है।

10. मूल्यांकक अपने ग्राहक के उन निर्देशों का पालन नहीं करने या वे सत्त्वनिधि, विभेदकता और स्वतंत्रता की अपेक्षाओं से अंतर्गत नहीं है।

11. मूल्यांकक अपने ग्राहक को स्पष्ट रूप से बताएगा कि वह कॉन्सील में सुझाव करने में सक्षम है और सेवाएं, जिनके लिए वह अन्य मूल्यांकक या व्यवसायिक सेवाओं पर निर्भर रहेगा या जिसके लिए ग्राहक अन्य मूल्यांकक के साथ पूरक व्यवहार कर सकते हैं।

स्वतंत्रता और हित का प्रकटीकरण

12. मूल्यांकक अपने व्यवसाय के लेखन में मूल्यांकक के पहले पराक्रम के संबंध में एवम इसके प्रायोजन के लिए संयुक्त आर्थिक तथ्यों के साथ कार्य करेगा और सूचनाओं के द्वारा उपलब्ध तथ्यों के वर्णनों पर आधारित है और सूचना पत्तिक डोमेन पर उपलब्ध है और मूल्यांकक द्वारा सूचित नहीं की गई है।

13. मूल्यांकक कोई कार्य करने या उसके संबंध में अनुसरण करने या सहयोगी कंपनी के साथ सहयोगी की दशा में स्वतंत्र नहीं है।

14. मूल्यांकक अपने व्यवसाय के संबंधों में पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करेगा र उसके साथ संबंधित तथ्यों पर आधारित है और व्यवसायी अनुशंसा और विनिमय साधन अनुसार, 2015 के अनुसार या जब तक मूल्यांकक रिपोर्ट सार्वजनिक हो, जो भी प्रस्तुत हो।

15. मूल्यांकक, जहां आवश्यक हो, अपने ग्राहकों को चिन्ता प्रवाह की सेवाएं प्रदान करने के समय उनके कार्यों और हितों में संयुक्त आर्थिक संबंधों के बारे में प्रकट करेगा।

16. मूल्यांकक किसी व्यवसायिक व्यक्ति के निर्देशों का संबंधहीन करना जब उसे ऐसे किसी समय के बाद जब वह उसके मूल्यांकन हेतु जुड़ गया या समझा है और भारतीय विभाग जवाबदार और विनिमय बॉर्ड (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर नियंत्रण) और विनियम, 2015 के अनुसार या जब तक मूल्यांकक रिपोर्ट सार्वजनिक हो, जो भी प्रस्तुत हो।

17. मूल्यांकक किसी कंपनी का ग्राहक की आवश्यकताएं पूरी करने के रूप में “आज्ञापन रूप से प्राप्त” या "सूचनात्मक मूल्यांकन" प्रस्तुत करने में निम्न नहीं होगा।

18. स्वतंत्र मूल्यांकक के रूप में मूल्यांकक सफलता प्राप्त करेगा र उसके कोई कोई गंभीर स्थिति के संबंध में कोई पता नहीं है।

19. गोपनीयता

20. एक मूल्यांकक किसी व्यवसाय कंपनी की कोई गोपनीय सूचना का प्रयोग या किसी अन्य ग्राहक को या किसी पद्धति को प्रकट नहीं करना जो उसकी "मूल्यांकन" के ज्ञान उचित एवं विनियमित प्राधिकरण के आदेश है” जब तक उसे प्रकट करने का विषय या व्यवसायिक अधिकार न हो।

सूचना प्रवेश

21. मूल्यांकक कर्मचारियों का संरक्षण या विभेदकता के साथ उन्हें सूचना प्रवेश करना या उनके संबंध में मूल्यांकक की कार्यक्रम को अनुपलब्ध करना उसके कोई मूल्यांकक के संबंध में उपयुक्त देख सके।

22. मूल्यांकक किसी प्राधिकरण के बारे में, प्राधिकरण द्वारा प्राप्त किसी व्यक्ति के बारे में मूल्यांकक संगठन के साथ बहुत रजस्त्रीकृत नहीं है या अन्य सावधानी समाप्त करने के कारण के बारे में उचित नहीं होगा, सहयोग करेगा और उपस्थित रहेगा।

23. मूल्यांकक प्राधिकरण, अधिकार, अपीलीर्ष, अधिकार या रजस्त्रीकृत मूल्यांकक संगठन जिसके साथ वह रजस्त्रीकृत है या अन्य सावधानी समझौता किसी सूचना और रिकार्ड उपलब्ध कराएगा।

24. मूल्यांकक व्यवसायिक सेवाओं के निर्देशन के दौरान प्राप्त सूचना की गोपनीयता को बनाए रखने हेतु तीन वर्ष की अवधि की अवधि या इसमें अधिक अवधि के लिए, जो उसकी संविदा में विनियम मूल्यांकक के लिए आवश्यक है, कार्यान्वयन रखेंगी जिसे वह
नियामक संगठन या महत्त्वपूर्ण समीक्षा के सम्मुख प्रस्तुत कर सके। अधिकारण या अपील प्राधिकरण के सम्मुख लंबित मामलों की दशा में मामले का निपटान होने तक रिकार्ड का अनुरक्षण किया जाएगा।

उपाधार और स्त्तर

25. मूल्यांकक या उसका संबंधी कोई उपाधार या स्त्तर स्वीकार नहीं करेगा जो मूल्यांकक के रूप में उसकी कमजोर करता है या उसकी स्वतंत्रता प्रभावित करता है।

स्पष्टीकरण : इस संदिग्ध के प्रमोजन के लिए 'नातेदार' शब्द का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2 के बंद (77) में परिभाषित किया गया है।

26. मूल्यांकक किसी लोक सेवक या किसी अन्य व्यक्ति को उपाधार या स्त्तर या वित्तीय प्रस्ताव स्वीकार करे नहीं करेगा जो कंपनी के रूप में उसको कमी करता है या उसकी स्वतंत्रता क्षतिग्रस्त करता है।

पारिष्दिक और नामांक

27. मूल्यांकक, पारिष्दिक के लिए सेवाएं प्रदान करेगा जो कि पारदर्शी तरीके में लिया जाए, कार्य का तार्किक परिणाम हो और उचित रूप से प्रतिबद्ध हो और प्रभावित नियमों के साथ असंगत न हो।

28. मूल्यांकक कोई धुनक या प्रभाव नहीं लेगा, उन के पिचाय जो लिखित संविदा में उस व्यक्ति के साथ प्रकटन किया गया है जिसको वह सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उपाधिका, रोजगार-शमल और निबंधन

29. मूल्यांकक अत्यधिक कार्य स्वीकार करने से बचेगा, यदि वह प्रत्येक कार्य को प्रयास समय देने में सक्षम नहीं है।

30. मूल्यांकक ऐसा व्यवसाय नहीं करेगा जो अधिकारण या मूल्यांकक संगठन की राय में व्यवसाय को बदनाम करे।

उपाधिका-II

प्रणाली-क

(नियम 6 का उप-नियम (1) देखें)

किसी व्यक्ति द्वारा मूल्यांकक के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,
प्रारंभिक
[पता लिखें]
द्वारा
[नाम और पता]

विषय : मूल्यांकक के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

महोदय/महोदया
मेरे, (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन का नाम लिखें) के साथ सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है, कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम, 2017 के नियम 3 के उपनियम (1) के साथ पड़ते कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 247 के अधीन निर्देशित क्षेत्रों/क्षेत्रों की आस्तियों के मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ:-

(क) ______________________
(ख) ______________________

मेरा व्यौरा निर्मातासार है :

क. व्यक्तिगत व्यौरा
1. उपनाम (श्री/श्रीमती/मुम्बी) :
2. नाम :
3. पिता का नाम :
4. माता का नाम :
5. जन्म की तारीख :
6. पैत संख्या :
7. आधार संख्या :
8. पासपोर्ट संख्या :
9. पत्र व्यवहार के लिए पता :
10. मोबाइल नंबर ,
11. ई-मेल का पता :
12. स्थाई पता :

ख. शैक्षिक, व्यवसायिक और मूल्यांकन परीक्षा अहंताएं
1. शैक्षिक अहंताएं

<table>
<thead>
<tr>
<th>शैक्षिक अहंताएं</th>
<th>उन्नीण करने का वर्ष</th>
<th>अंक (प्रतिवर्ष)</th>
<th>नेट/पेयरी</th>
<th>विभागिता/कालेज</th>
<th>डिप्लोमा, यदि कोई हो</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

2. व्यवसायिक अहंताएं [जिसमें मूल्यांकन विभाग पाठ्यक्रम शामिल नहीं है]

<table>
<thead>
<tr>
<th>व्यवसायिक अहंताएं</th>
<th>मूल्यांकन विभाग/पाठ्यक्रम</th>
<th>सदस्यता संख्या (यदि लागू हो)</th>
<th>नामांकन की तारीख</th>
<th>डिप्लोमा, यदि कोई हो</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
3. (क) मूल्यांकन बाहिरताएं और उत्तीर्ण की गई मूल्यांकन परीक्षा के बारे (सभी भाषीयारों/विदेशकों के लिए जो पंजीकृत मूल्यांकक है)

<table>
<thead>
<tr>
<th>परीक्षा की तारीख</th>
<th>आस्ति की थेणी</th>
<th>प्रात अंक</th>
<th>प्रतिवतन</th>
</tr>
</thead>
</table>

3(ब) मूल्यांकन बाहिरताएं (सभी भाषीयारों/विदेशकों के लिए जो पंजीकृत मूल्यांकक है)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मूल्यांकन संबंधी बाहीता/ पाठक्रम</th>
<th>मान्यताप्राप्त मूल्यांकक संगठन</th>
<th>आस्ति की थेणी</th>
<th>रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन में सदस्यता संख्या</th>
<th>अन्य शिक्षाओं, यदि हों</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>नाम</td>
<td>मान्यता संख्या</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>


g. कार्य अनुभव –

1. कूण्या आप वर्तमान में न्यायाधीनता/रोजगार में हैं? (हां या नहीं)
2. न्यायाधीनता में या सुसंगत न्यायाधीनता या मूल्यांकन में कार्य अनुभव के वर्ष (वर्ष और महीनों में)
3. यदि न्यायाधीनता हैं, न्यायाधीनता पतवार के लिए पता,
4. रोजगार में वर्षों की संख्या (वर्ष और महीनों में)
5. अनुभव का विवरण :

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.म.</th>
<th>तारीख से</th>
<th>तारीख तक</th>
<th>न्यायाधीनता/ रोजगार में</th>
<th>न्यायाधीनता का नाम और पदनाम</th>
<th>न्यायाधीनता में तो सुसंगत न्यायाधीनता में अनुभव</th>
<th>कार्य का क्षेष</th>
<th>रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

bh. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन

1. कूण्या रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन का विवरण दें, जिसके आप सदस्य हैं।
2. कूण्या अपनी सदस्यता संख्या बताएं।
ङ. अतिरिक्त सूचना
1. क्या आपकी कभी किसी अपराध के लिए दोषित नहीं किया गया था? हां या नहीं
यदि हां, तो कृपया भरें।
2. क्या आपके बिरुद्ध कोई आपराधिक कार्यवाही लगवाई गई है? (हां या नहीं)
यदि हां, तो भरें।
3. क्या आपकी कभी अमूल्य विवाहिता प्राप्त की गई थी, या आपने विवाह के रूप में अधिकारित करने के लिए आवेदन किया था (हां या नहीं)
यदि हां, तो भरें।
4. कृपया कोई अतिरिक्त सूचना दें जो आपके आवेदन से सुसंगत हो सकती है।

च. संलग्न
1. आवास के प्रमाण की प्रदत्त
2. शैक्षिक अहमताओं, व्यवसायिक अहमताओं और रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन परीक्षा अहमताओं के समथय में दस्तावेजों की प्रतियां
3. सुसंगत अध्यक्ष के दौरान व्यवसाय या कार्य अनुभव दर्शाकर वाले दस्तावेजों की प्रतियां
4. रेजिग्नर की प्रमाणित प्रतियां, सुसंगत नियोजक द्वारा जिसमें ऐसे रेजिग्नर की अध्यक्ष बिनिर्दिष्ट हो।
5. पिछले उम्र के लिए आयकर विवरणों
6. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन मंडल की सदस्यता के प्रमाण की प्रति
7. पासपोर्ट आकार की फोटो
8. पांच ज्ञात रुपये ज्ञात वस्तु का प्रमाण

छ. अभिवधन
1. इस आवेदन प्रक्रिया के भाग में सूचना मांगी जाएगी उसे प्रस्तुत करें।
2. मैं कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन) धनर्म, 171 के अनुसार मूल्यांकन के अनुसार नहीं हूँ।
3. इस आवेदन और इस आवेदन के साथ प्रस्तुत की गई सूचना सत्य और पूर्ण है। यदि किसी अवस्था में यह मिलता या ब्रामक पाई जाए तो मेरा रजिस्ट्रीकरण संविक्षण: रद्द कर दिया जाएगा।
4. लागू फीस, अदा कर दी गई है।

आवेदक का नाम और हस्ताक्षर

स्थान :
तारीख :
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन द्वारा सत्यापन

हमने ......................... द्वारा जो हमारे सदस्य हैं तथा इनकी सदस्यता संख्या ......................... है, द्वारा प्रस्तुत विवरण सत्यापित कर दिया है, उसे सत्य और सही होने की पुष्टि करते हैं।
हम ......................... का मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण करने की सिफारिश करते हैं।

(नाम और हस्ताक्षर)
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के प्राधिकृत प्रतिनिधि
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन की मुहर

स्थान :
तारीख :

प्रनय-ख
(नियम 6 का उपनियम (2) देखें)
भारीतिचर्या/कंपनी द्वारा मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

विषय : मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

महोदय/महोदया
में, एक भारीतिचर्या/निदेशक (जो लागू न हो उसे काट दें), भारीतिचर्या अस्तित्व/कंपनी द्वारा संकल्प/विलेख (जो लागू न हो उसे काट दें) द्वारा इस प्रयोजन के ले सम्पर्क रूप से प्राधिकृत होने के नाते निर्दिष्ट सेवा (व्यापार) की आस्तियों के लिए कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम, 2017 के नियम 6 के उपनियम (2) के साथ पट्टा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 247 के अधीन मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए (आवेदन भारीतिचर्या/कंपनी का नाम और पता) की ओर से और इसके भारीतिचर्या/निदेशक की ओर से आवेदन करता है:

(क) __________________
(ख) __________________

विवरण निर्देशानुसार है:

व. भारीतिचर्या अस्तित्व/कंपनी के व्यापार

1. नाम:
2. रजिस्ट्रीकरण संख्या/एलएलपी संख्या/सीआईएन संख्या:
3. ऐस शंखन्यः
4. पत्र व्यवहार पत्ता या रजिस्ट्रीकृत कार्यालयः
5. स्थायी पत्ताः
6. ई-मेल पत्ताः
7. दूरभाष सं.
8. अन्य

आ. प्रत्येक भागीदार/निदेशक का शैक्षिक के बारे में

उपाधि (श्री/श्रीमती/मुही)ः
1. नामः
2. पिता का नामः
3. माता का नामः
4. जन्म तिथिः
5. ऐस शंखन्यः
6. आधार शंखन्यः
7. पासपोर्ट शंखन्यः
8. पत्राचार का पत्ताः
9. स्थायी पत्ताः
10. ई-मेलः
11. मोबाइल नंबरः
12. अन्यः

इ. भागीदारों/निदेशकों की शैक्षिक, वृत्तिक और मूल्यांकन परीक्षा की अहिंसाएः

1. शैक्षिक अहिंसाएः

[कृपया प्रत्येक भागीदार/निदेशक के संबंध में खातक विभाग में आने की शैक्षिक अहिंसाएः नियं]

<table>
<thead>
<tr>
<th>शैक्षिक अहिंसा</th>
<th>उत्तीर्ण करने का वर्ष</th>
<th>अंक प्रतिष्ठा</th>
<th>बैंक/कक्षा</th>
<th>विद्युत्तियालय/ महाविद्यालय</th>
<th>तिपणियाँ, यदि कोई हो</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

2. प्रत्येक भागीदार/निदेशक के संबंध में वृत्तिक अहिंसाएः
वृतिक अहताएं शामिल हैं]
संगठन/वृतिक निकाय/रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन
सदस्यवां संख्या (यदि लागू हो)
नामांकन की तारीख
रिपोर्टिंग, यदि कोई हो

3(क) मूल्यांकन बहराएं और उत्तीर्ण की गई मूल्यांकन परीक्षा के ब्यारे (सभी भागीदारों/निदेशकों के लिए जो पंजीकृत मूल्यांकन हैं)

| परीक्षा की तारीख | आपस्की क्षेत्री | प्रमाण अंक | प्रतिबन

3(ख) मूल्यांकन बहराएं (सभी भागीदारों/निदेशकों के लिए जो पंजीकृत मूल्यांकन हैं)

| मूल्यांकन संबंधी बहता/पाठक क्रम | मान्यता मूल्यांकन संगठन | आपस्की क्षेत्री | रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन में सदस्यवां संख्या | अभस्कियां, यदि हों

नाम | मान्यता संख्या

प्र.
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन

1. कृपया रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन का ब्यारे दें जिसके आप सदस्य हैं। कृपया अपनी सदस्यता संख्या बताएं।
2. कृपया रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन का विवरण दें जिसके आपके भागीदार सदस्य है। कृपया अपना सदस्यता संख्या भी लिखें।

ढ. अतिरिक्त सूचना

1. क्या आपको या आपके भागीदारों/निदेशकों को कभी किसी अपराध के लिए दोषित किया गया था? (हां या नहीं)
2. क्या आपके या आपके भागीदारों/निदेशकों के विरुद्ध कोई दांडिक कार्यवाही लंबित है?

(हां या नहीं)
यदि हां, कृपया विवरण दें।

3. क्या आपको या आपके भागीदारों/निदेशको को कभी अनुमति दिवालिया दी गया था, या आपने दिवालिया दी गई करने के लिए आवेदन किया था ( हां / नहीं )

यदि हां, तो व्यावृत करें।

4. कृपया कोई अति सत्ता सूचना दें जो आपके आवेदन से सुसंगत हो।

च. संलग्न

1. आवास के सबूत की प्रति और इसके भागीदार/निदेशक
2. भागीदारों/निदेशकों की शैक्षिक आवेदन, धृतिक आवेदन और रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन परीक्ष अवहिताओं के समर्थन में दस्तावेजों की प्रतियाँ
3. पिछले तीन वर्षों के लिए विशेष विवरण/आयकर विवरणियां विनिर्दिष्ट हो।
4. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन की सत्यता के प्रमाण की प्रति
5. पासपोर्ट आधार की प्रति
6. दस हजार रुपये ज्ञातक भुगतान का प्रमाण 'निशेष का साथ' दस हजार रुपए संदर्भ

छ. प्रतिज्ञा

1. यह आवेदन प्रश्न के माध्यम से मूलचबाल सभी दस्तावेजों की प्रतियाँ संलग्न/अपलोड कर दी गई हैं। दस्तावेज जो संलग्न/अपलोड किए गए हैं वे हैं ................................................ में जब भी कोई अति सत्ता मूल्यांकन मांगी जाएगी उसे प्रस्तुत करने का वचनबर,ंि देता हूँ।
2. मैं, कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम, 2017 के अधीन मूल्यांकन के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने से निर्देशित नहीं किया गया है।
3. यह आवेदन और इस आवेदन साथ प्रस्तुत की गई सूचना सत्य एवं पूर्ण है। यदि किसी अवस्था में यह मिलेगा या धारक फाइं जाए तो मेरा रजिस्ट्रीकरण संकेत: रद्द किया जा सकता है।

4. मैं, (भागीदारी अधिकारी/कंपनी और इसके भागीदार/निदेशक) कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं, इसके अधीन बनाए गए नियमों, प्राधिकरण द्वारा लिए गए निर्देशों और रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन जिसमें साथ में रजिस्ट्रीकृत हूँ, की उपविभिन्न, जारी निदेशों और विदेशियों या उपविभिन्नों के अनुसरण में पूर्ण संगठनों का पालन करने का वचनबर,ंि देता हूँ।

5. नाम/पीम, संदर्भ कर दी गई है।

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन द्वारा सत्यपाठ

इस्मे .......................................................... द्वारा जो हमें सत्य रखे हैं तथा इनकी सत्यता संबंधित है, द्वारा प्रस्तुत विवरण सत्यपाठ कर दिया है, उसे सत्य एवं सही होने की विश्वसनीयता करते हैं।
हम ............................................. का मूल्यांकक के रूप में रजिस्ट्रीकरण करने की सिफारिश करते हैं। (नाम और हस्ताक्षर)
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के प्राधिकृत प्रतिनिधि
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन की मुहरबंद

स्थान :  
तारीख : 

प्रमुख-म  
(नियम 6 का उपनियम (6) देखें)  
रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र  

मूल्यांकक रजिस्ट्रीकरण संबन्ध -  

1. कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक और मूल्यांकक) नियम, 2017 के नियम 6 के उपनियम (6) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 247 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राधिकारी, इन नियमों के अनुसार (आस्तित्व वर्ग लिखें) की बावजूद मूल्यांकक के रूप में कार्य करने के लिए (नाम रखें) रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र प्रदान करते हैं। 

2. यह प्रमाण पत्र (प्रारंभ तिथि लिखें) से विधिमान होगा।

नाम और पत्र  
प्राधिकारी के लिए और उनकी ओर से  

स्थान :  
तारीख : 

परिचिति  
प्रमुख-प  
(नियम 13 का उपनियम (1) देखें)  
मान्यता प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन

सेवा में,  
प्राधिकारी  
[पता लिखें]  
ढारा  
[नाम और पता]  

विशेष : रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक संगठन के रूप में मान्यता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन
महोदय/महोदया,

1. मैं [आवेदक का नाम और पता] सम्पन्न रूप से इस निमित्त प्राधिकृत होने के कारण निम्नलिखित वेणियों की आवेदन को संबंध में रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन के रूप में मान्यता प्रदान करने के प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करता हूँ।

(क) ______________
(ख) ______________

और माझे में बोर्ड के संकल्प की प्रति संलग्न करता हूँ जिसमें मुझे यह आवेदन करने और बोर्ड से इस संबंध में पताका करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

2. संगम अनुच्छेद, संगम ज्ञापन, न्याय विलेख, उप विधियां और आचार संहिता, जैसा लागू है, की प्रतियां आवेदन के साथ संलग्न हैं।

3. मैं [नाम लिखें] की ओर से अभिप्रेरण करता हूँ कि आवेदक रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के उपयुक्त उल्लेखित वर्ग की आविष्कर्ति के लिए मान्यता हेतु अधिक है।

4. मैं (नाम लिखें) की ओर से अभिप्रेरण करता हूँ, कि -

(क) इस आवेदन में दी गई सभी सूचनाएं हर प्रकार से सत्य हैं और सच्ची हैं।
(ख) इस आवेदन इस प्रयोजन के लिए कोई सुनिश्चित महत्वपूर्ण मूल्यांकन को दिखाया नहीं गया है, और
(ग) इस आवेदन के अनुसार में प्रदान की गई मान्यता को संपन्न रूप से भ्रामक पाया जाता है।

5. यदि मान्यता प्रदान की जाती है, मैं (नाम लिखें) की ओर से अधिनियम, नियमों, निर्देशों या प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की आवश्यकताओं का पालन करने और ऐसी अन्य नर्तों एवं निषेधों जैसा मान्यता प्रमाण पत्र में दी गई है या बोर्ड द्वारा पत्रात्त्वी विनिर्देश या लगाई गई हो जिससे कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 8 के अधिन रजिस्ट्रीकृत कंपनी को आवश्यक अवधि में परिवर्तित करने की अपेक्षा, यदि वह लागू है, के अनुपालन का वचनांश देता है।

आपका
प्राधिकृत हस्ताक्षर
(नाम)
(पदनाम)
स्थान :
तारीख :
प्रक्र-इ का परिवर्तित

भाग-1

साधारण

1. आवेदक का नाम
2. रजिस्ट्रीकृत पार्षद का पता और आवेदक के कार्यालय का मुख्य स्थान
3. कार्यालय शहर/प्रदेश का नाम (सीआईएन)/पैन/अन्य पहचान संख्या
4. इस आवेदन को करने तथा इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा पत्राचार करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम, पिनार्थ और समय विवरण

भाग-2

संरचना और त्त्व

1. कृपया आवेदक का संरचित व्यक्ति दें
   (i) स्थापना का प्रकार
   (ii) स्थायीत्व संरचना
   (iii) आवेदन संरचना

भाग 3

सदस्यता और परीक्षा

1. कृपया संरचित व्यक्ति दें
   (i) सदस्यों की संख्या जो मूल्यांकन के रूप में व्यवसाय करते हैं और आवेदक के साथ में पहले ही रजिस्ट्रीकृत हैं।
   (ii) विनिरिष्ट शाखा (नियम 4 के संबंध में):
   (iii) अन्य मानदंड अहिताएं और आवेदक के साथ रजिस्ट्रीकरण की रीति

टिप्पणी: यदि (i) के बदले में नियम 12 के अनुसार (i) के खंड (ii) में निर्दिष्ट संगठन मूल्यांकन प्रदान कर रहे हैं, तो वे सदस्यों का संरचित विवरण प्रदान कर सकते हैं जिन्होंने संगठन द्वारा संचालित मूल्यांकन विनिरीष्ट पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया है।
2. कृपया आवेदक के साथ सदस्यों के रजिस्ट्रीकरण के लिए संचालित किसी परीक्षा के संरचित व्यक्ति दें।
3. कृपया आवेदक के सदस्यों की लगातार गैरिक्षित अपेक्षाओं के संरचित व्यक्ति दें।

भाग 4

आचार संहिता

1. कृपया उल्लेख करें यदि आवेदक की आचार संहिता कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम 2017 के अनुसार में है।
2. कृपया विनिर्दिष्ट करें कि आचार मंत्रिता के उपबंधों की खंड संख्या जो कि कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन) नियम, 2017 में विनिर्दिष्ट आदेश आचार मंत्रिता के उपबंधों के अनुरूप है (यदि कोई हो)

भाग 5

निर्दिष्टीण की अनुशासन

1. कृपया आवेदक द्वारा इसके सदस्यों की निर्दिष्टीण हेतु नियोजित तंत्र का व्यवस्था दें।
2. कृपया सदस्यों और स्वयं के विरुद्ध शिकायतों के समाधान हेतु नियोजित तंत्र का विवरण दें।
3. कृपया आवेदक द्वारा नियोजित अनुशासनिक तंत्र का विवरण दें।

कृपया कोई अन्य व्यवस्था, जो आवेदन के समर्थन में सुसंगत समझा जाए, प्रदान करें।

प्राधिकृत हस्ताक्षर

(नाम)

(पदनाम)

तारीख : 

स्थान : 

उपांश-2

प्रूप-3. 

(नियम 13 का उप-नियम (5) देखें)

मान्यता का प्रमाण पत्र

रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन मान्यता संबंध

1. कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम, 2017 के नियम 13 के उप-नियम (5) द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए रजिस्ट्रीकरण एवं दावारा (नाम निखो) को आदेशियों की क्षेत्री (वेतनिया) निखों के मूल्यांकन के लिए रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के रूप में मान्यता देते हुए प्रमाण पत्र प्रदान करती है।

मान्यता की शर्तें

2. [नाम निखो] सदस्यों के रूप में ऐसे अधिकारियों को नीचे विनिर्दिष्ट की गई शर्तें सहृदय रखते हों:
3. नियम 14 में अधिकारियों द्वारा [पूरा व्यवस्था देखें]

4. यह मान्यता प्रमाण पत्र [नाम और पदनाम] से विधिमान होगा।(नाम और पदनाम)

प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से स्थानः

तारीखः
उपाधं-3
(नियम 12 का उप-नियम (3) और नियम 14 के उप-नियम (1) के बंट (३) और (५) देखें)
रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के लिए शासन संरचना और आदर्श उपविधियां

भाग-1

1. शासन संरचना

कोई व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के रूप में मान्यता के लिए तभी पात्र होगा जब कि वह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अधीन रजिस्ट्रीकृत शेयरपूंजी बाजी एक कंपनी हो, और –

(२) इसका एक मात्र उद्देश्य कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के रूप में कार्य करना हो;
(३) वह कंपनी भारत के बाहर रहने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) के नियंत्रणाधीन न हो;
(४) इसका उनचास प्रतिष्ठा में अधिक शेयरपूंजी भारत से बाहर रहने वाले व्यक्तियों के द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से धारित न हो; और
(५) वह कंपनी कार्यालय की एक से अधिक स्टर के माध्यम से समस्त संयुक्त कंपनी न हो:

स्पष्टीकरण: किसी कार्यालय के संबंध में “स्टर” से इसकी समस्त संयुक्त कंपनी अभिव्यक्त है:

(६) वह कंपनी, इसके संप्रवतयक, इसके निदेशक और इसकी दस प्रतिशत से अधिक शेयरपूंजी धारित करने वाले व्यक्ति दीक और उपयुक्त व्यक्ति हों।

2. रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन की उप-विधियां होना

(१) रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन प्राधिकरण की रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के रूप में अपने रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के साथ-साथ अपनी उपविधियां प्रस्तुत करेगी।
(२) इन उपविधियों में भाग-2 में आदर्श उपविधियों में भिन्न-भिन्न सभी मामलों के लिए उपबंध होगा।
(३) इन उपविधियों में सदेख आदर्श उपविधियों के अनुरूप होगी।
(४) रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन अपनी उपविधियों, गठन की गई सभी समितियों की संरचना और इन उपविधियों के अधीन तैयार सभी सीटियों अपनी वेबसाइट पर रखेगी।

3. उपविधियों में संख्या

(१) भारी बोर्ड निदेशकों द्वारा संकल्प के विरुद्ध दिए गए मत, बवट हों, की संख्या के कम से कम तीन गुणा मत संकल्प के पक्ष में दिए जाने के अधीन उपविधियों में संशोधन कर सकता है।
(२) उपविधि (१) के अनुसार पारित कोई संकल्प बोर्ड को इसके पारित होने की तारीख से सात दिन के अंदर अनुमोदन के लिए फाइल किया जाएगा.
उप विभिन्नों के संशोधन अनुमोदन मिलने की तारीख के सातवें दिन से प्रवृत्त होंगे जब तक कि प्राप्तिकरण द्वारा अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए।

रजिस्त्रीकृत मूल्यांकं संगठन ऐसे संशोधन प्रभावी होने की तारीख में पंद्रह दिन के अंदर प्राप्तिकरण को संशोधित उपविभिन्नों की एक मुद्रित प्रतिविधि फाइल करेगी।

4. शासी बोई की संरचना

(1) शासी बोई में न्यूनतम ............ (संख्या लिखें) निदेशक होंगे।

(2) आधे में अधिक निदेशक नियुक्ति के समय और निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारत में रहने वाले व्यक्ति होंगे।

(3) अधिक से अधिक एक-चौथाई निदेशक रजिस्त्रीकृत मूल्यांकं होंगे।

(4) आधे में अधिक निदेशक नियुक्ति के समय और निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान स्वतंत्र निदेशक होंगे:

परंतु किशानी बोई को बीतेक कम से कम एक स्वतंत्र निदेशक की उपस्थिति के बिना आयोजित नहीं की जाएगी।

(5) स्वतंत्र निदेशक वह व्यक्ति होगा –

(क) जिसे विन, विधि, प्रवृत्त या मूल्यांकन के क्षेत्र मुख्यता प्राप्त है;
(ख) जो एक रजिस्त्रीकृत मूल्यांकं नहीं है;
(ग) जो रजिस्त्रीकृत मूल्यांकं संगठन का अध्यक्ष नहीं है; और
(घ) जो कंपनी अधिवेशन, 2013 की धारा 149 की उपधारा (6) के अधीन अपेिाएं पूरी करता है।

(6) निदेशक किसी स्वतंत्र निदेशक को शासी बोई के अध्यक्ष के रूप में चयन करेंगे।

स्पष्टीकरण: उपविभिन्नों के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित में अंतर्विद कोई संख्या –

(क) ‘आधे में अधिक’ को अगली उच्चतर संख्या तक पुर्ण किया जाएगा; और
(ख) ‘अनधिक एक-चौथाई’ को अगली न्यूनतर संख्या तक पुर्ण किया जाएगा।

भाग-2
रजिस्त्रीकृत मूल्यांकं संगठन की आवश्य उप-विभिन्नों

I. साधारण

1. रजिस्त्रीकरण मूल्यांकं संगठन का नाम “ _________________________” (जिसे इसके पावर्न ‘संगठन’ कहा गया है) है।
2. यह ‘संगठन’ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अधीन कंपनी के रूप में रजिस्ट्रीकृत है जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय (पूरा पता लिखें) है।

3. इन उपबिधियों में संशोधन नहीं किया जा सकता, जब तक कि वह इस उपाधि के अनुसार न हो।

II. परिभाषाएँ

4. (1) इन उपबिधियों में जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो –

(क) “सदस्यता का प्रमाण पत्र” से उपबिधि 10 के अधीन प्रदान किए गए संगठन की सदस्यता के प्रमाण पत्र से अभिप्रेत है;

(ख) “अधिनियम” से कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) से अभिप्रेत है;

(ग) “आमी बोर्ड” से कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2 के बंद (10) के अधीन यथाप्राप्तिपान संगठन के निदेशक बोर्ड या बोर्ड से अभिप्रेत है;

(घ) “नातेदार” का वही अर्थ होगा जो इसे कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2 के बंद (77) में दिया गया है;

(2) जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, इन उपबिधियों में प्रयुक्त परंपरागत परिभाषाकार न किया गए शब्दों और अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे जो इन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) में दिए गए हैं।

III. उद्देश्य

5. (1) यह संगठन कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन) नियम, 2017 के अधीन रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के कार्य और उससे जुड़े हुए कार्यों का निर्भर बनेगी।

(2) यह संगठन रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन के रूप में अपने कार्यों का निर्भर बनाए हुए संगठन (1) में विनिर्दिष्ट कार्यों के अलावा अन्य कोई कार्य या उससे असंगत कोई कार्य नहीं करेगी।

IV. संगठन के कर्त्तव्य

6. (1) यह संगठन अपने सदस्यों के नियम में उच्च नैतिक और वृत्तिक मानकों का अनुपालन करेगी।

(2) यह संगठन –

(क) कंपनी अधिनियम, 2013 और रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन संगठन और रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकनों के आचरण को शासित करने के लिए इसके अधीन बनाए गए नियमों, विनिर्देशों और विनिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा;

(ख) अपने सदस्यों के नामांकन और नियमों के लिए निर्णय, कर्मसंघ, व्यापारिक और गैर प्रवासी व्यवसायों को लागू करेगा;

(ग) सभी उपबिधियों और अपने सदस्यों को जारी किए गए निर्देशों के संबंध में प्राधिकरण प्रति के उत्तरदायी होगा।

(घ) रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकनों के वृत्ति का विकास करेगा;

(ङ) अपने सदस्यों के निर्माण व्यवसायिक विकास की बढ़ावा देगा;
(३) अपने आंतरिक विनियम और दिशानिर्देशों में निरंतर सुधार करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसके सदस्यों द्वारा वृत्तिक के उपर राखना और नैतिक आचरण का पालन किया जाता है; और
(४) अपने कार्यक्रमों की सुचना आदर्शकता को देगा।

V. संगठन की सभितियाँ

सदस्यों की सलाहकार सभिति

7. (१) शासी बोर्ड संगठन के सदस्यों की एक सलाहकार सभिति का गठन करेगा जो नियुक्ति में से संबंधित हिसी मामले पर सलाह देगी –

(२) सलाहकार सभिति की बैठक ऐसे स्थानों और समय पर की जाएगी जैसा कि शासी बोर्ड व्यवस्था के

संगठन की अन्य सभितियाँ

8. (१) शासी बोर्ड का गठन इस प्रकार होगा –

(३) एक या अधिक सदस्यता सभिति (सभितियाँ) जिसमें उन्हें सदस्य होंगे जीना कि उचित समझा जाए;
(४) उचित समय के बाद उन्हें सदस्यों के साथ एक मानीटरी सभिति;
(५) एक या अधिक विस्तार समाधान सभिति (सभितियाँ) जिसमें कम से कम तीन सदस्य होंगे;
(६) एक या अधिक अनुशासनिक सभिति (सभितियाँ) जिसमें प्राधिकरण द्वारा नामित कम से कम एक सदस्य होगा।

(२) इन सभितियों मे प्रत्येक का अधिक संगठन का स्वतंत्र निर्धेक होगा।

VI. सदस्यता

नामांकन के लिए पात्रता

9. सदस्य के रूप में ऐसा बोर्ड व्यक्ति नामांकित नहीं किया जाएगा जो प्राधिकरण में रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का पात्र नहीं हैं:

परंतु कि शासी बोर्ड नामांकन के लिए अतिरिक्त पात्रता अपेक्षाओं का उपबंध कर सकता है:
परंतु यह और कि ऐसी अतिरिक्त अपेक्षाओं में धर्म, वर्ग, जाति, लिंग, जन्म स्थान या व्यवासायिक संबंध के आधार पर कोई पक्षपात नहीं किया जाएगा।

सदस्य के रूप में नामांकन करने की प्रक्रिया

10. (1) कोई व्यक्ति सदस्य के रूप में नामांकन के लिए ऐसे प्रस्तुत, ऐसी रीति और ऐसी फीस के साथ आवेदन प्रस्तुत कर सकता है जैसा कि संगठन द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया।

(2) संगठन नियमों, विनियमों और इसके अनुसार आवेदन की जांच करेगी।

(3) आवेदन की जांच करने पर यह संगठन आवेदक को आवेदन में बुद्धियां यहीं हों, को दूर करने का अवसर देगी।

(4) यह संगठन आवेदक को अतिरिक्त दस्तावेज, सूचना या स्पष्टीकरण जैसा कि वह उस वक्त समझे, एक तर्क समंदर समय में प्रस्तुत करने को चाहता है।

(5) यदि कोई आवेदक नामांकन के मानतंत्र पूरे नहीं करता या बुद्धियां दूर नहीं करता या संगठन द्वारा अपेक्षित अवसर देते तो संगठन द्वारा अपील की प्राधिकृत कर सकती है।

(6) आवेदन अस्थीत्तक होने की मूलता आवेदक को अस्थीत्तकता के कारणों के साथ आवेदन प्राप्ति के तीस दिन के अंदर धी जाएगी जिसमें बुद्धियां को दूर करने या संगठन को अतिरिक्त दस्तावेज या स्पष्टीकरण देने, जैसा भी मामला हो, के लिए दिया गया समय शामिल नहीं है।

(7) आवेदन की स्पष्टता की सूचना आवेदक को सदस्यता प्रमाण पत्र के साथ धी जाएगी।

(8) आवेदन अस्थीत्तकता होने के निर्णय से अपने नाम आवेदक निर्णय प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के अंदर संगठन की सदस्यता समिति को अपील कर सकता है।

(9) सदस्यता समिति अपील की प्राप्ति के तीस दिन के अंदर अपील का निर्णय करने का आदेश ऐसी रीति में चाहिए, जैसा कि वह उचित समझे।

सदस्यता शुल्क

11. संगठन अपने सदस्यों को व्यवसायिक सदस्यता शुल्क के रूप में एक नियत धनराशि का भुगतान करने को चाहता है।

सदस्यों का रजिस्टर

12. (1) यह संगठन अपने व्यवसायिक सदस्यों का एक रजिस्टर रखेगी जिसमें निम्नलिखित सूचना होगी –

(क) नाम;
(x) पहचान का प्रमाण;
(y) संपर्क व्यौरे;
(z) पता;
(स) नामांकन की तारीख और सदस्यता संख्या;
(अ) बोर्ड में पंजीकरण की तारीख और पंजीकरण संख्या;
(आ) संगठन में उसके विरुद्ध लंबित शिकायतों का विवरण;
(इ) संगठन में उसके विरुद्ध लंबित अनुशासनिक कार्यवाही के व्यौरे; और
(ई) संगठन या संगठन की अनुशासनिक समिति द्वारा उसके विरुद्ध पारित आदेशों के व्यौरे।

(2) सदस्य से संबंधित रिकार्ड निरीक्षण के लिए नियमनिविष्ट को उपलब्ध कराए जाएगे-

(क) प्राधिकरण;
(ख) कोई अन्य व्यक्ति जिसमें ऐसे निरीक्षण के लिए सदस्य की सहमधत नी हो।

VII. सदस्यों के कर्त्तव्य

13. (क) कोई सदस्य अपने कार्यों का निर्वहन करते हुए –

(क) राजस्वविभाग मूल्र्ांकक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सदाभाव से कार्य करेगा;
(ख) अपने कार्यों का निर्वहन अत्यधिक सत्यनिष्ठा और स्पष्ट रूप से करेगा;
(ग) स्वतंत्र और निष्क्रिय रहेगा;
(घ) अपने कार्यों का निर्वहन व्यवसायिक धमना और व्यवसायिक मूल्र्ांक के उच्चतम मानकों के अनुसार करेगा;
(ङ) अपनी व्यवसायिक सूचीबांधन का निरंतर विकास करेगा;
(च) अपने कायदों के निर्माण में लागू कानूनों का अनुपालन करेगा; और
(छ) अपने व्यवसायिक कार्यकलापों के दौरान प्राप्त मूल्र्ांक की विश्वसनीयता बनाए रखेगा जब तक कि यह मूल्र्ांक प्रकट करना कानून द्वारा अपेक्षित न हो।

14. संगठन की एक आचरण संहिता होगी जो उपाधि-1 में व्यावसायिक आचरण संहिता के सभी विषयों के अनुरूप होगी और उनका उपयोग करेगी।

VIII. सदस्यों की मानीटरी

15. संगठन अपने सदस्यों के व्यवसायिक कार्यकलापों और आचरण की इस अधिनियम, नियमों, विनियमों और उनके अधीन जारी विशिष्टनिर्देशों, इन उपविष्टों, शासी बोर्ड के आचरण संहिता तथा रियायत निर्देशों के अनुपालन की मानीटरी करने के लिए एक मानीटरी नीति बनाएगी।
16. संगठन रिकॉर्ड्स सिस्टर्स के रूप में अपने चालू और समाप्त किए गए कार्यों सहित सूचना संगठन द्वारा विनिर्देशी रीति और प्रपत्र में वर्ण में कम से कम दो वर्ष प्रस्तुत करेगा। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन कार्य सीमने की तारीख, पूर्वी की तारीख और समर्थ संयोजन तथा मूल्यांकन रिपोर्ट शामिल होगी।

17. मानीतरी समिति सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सूचना और रिकार्ड्स की मानीतरी नीति के अनुसार में समीक्षा करेगी।

18. मानीतरी नीति में निर्देशन के लिए उपबंध नियम जाएगा –

(क) मानीतरी की अवधि;
(ख) सदस्यों द्वारा निरीक्षण शस्त्र सूचना और रिकार्ड्स प्रस्तुत करने और एकत्र करने की रीति और प्रपत्र;
(ग) सदस्यों की मानीतरी नीति का अनुपालन करने की बाध्यताएं;
(घ) सूचना और रिकार्ड्स का प्रयोग, विशेषज्ञ के और प्रभार;
(ङ) सदस्यों के प्राप्त करने के मूल्यांकन;
(च) शासी बोर्ड द्वारा विनिर्देश किया गया नियम।

19. मानीतरी नीति में –

(क) सदस्यों की निजता का पर्याप्त ध्यान रखा जाएगा;
(ख) प्राप्त सूचना की विशेषणवाद नीति का प्राप्त करना, जब तक कि सूचना को प्रकट करना प्राधिकरण या कानून द्वारा अन्तिम न हो, और
(ग) पत्रकार नहीं नियम जाएगा।

20. यह संगठन मानीतरी के दौरान एकत्र सूचना प्राधिकरण द्वारा विनिर्देशी रीति में प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगी जिसमें निर्देशन के किया गया –

(क) इस अधिनियम/इन नियमों के अधीन की गई नियुक्तियों के व्यक्ति;
(ख) नियुक्ति की अवधि के दौरान प्रशिक्षण साथ किये गए संयुक्त;
(ग) नियुक्ति की अवधि के दौरान उत्तरीय पद के साथ किये गए संयुक्त;
(घ) प्रशिक्षण नियुक्ति का निष्पक्ष।

IX. शिकायत समाधान वंश

21. (1) संगठन की एक शिकायत समाधान नीति होगी जिसमें संगठन के विस्तृत या संगठन के क्रिया सदस्य द्वारा शिकायत फ्राम करने, उस पर कार्रवाई, समाधान करने तथा प्रकटकरण करने की प्रक्रिया दी जाएगी –

(क) संगठन के क्रिया सदस्य को;
(ख) क्रिया व्यक्ति के जिन संगठन के संबंधित सदस्य की तीता हैं; या
(ग) क्रिया अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों की शेषी को, जैसा कि शासी बोर्ड द्वारा उपबंध किया जाए।

(2) शिकायत समाधान समिति, शिकायत की जांच के फाइल्स –
(क) यदि उपयुक्त न समझे तो शिकायत को अस्वीकार करेगी; या
(ख) शिकायत के समाधान के लिए वक्ते के बीच मध्यस्थता शुरू करेगी।

(3) जहां कहीं अनुशासन न कार्यवाही अपेक्षित हो, शिकायत समाधान समिति मामले की अनुशासनिक समिति को भेजेगा।

22. शिकायत समाधान सीता में निष्कलिपित के लिए उपयुक्त होगा –

(क) शिकायत पाठ्न करने का प्रयत्न और रीति;
(ख) शिकायत की जानकारी की पावती के लिए अधिकतम समय और प्रयत्न;
(ग) नामांकन करने, अनुशासनिक समिति को भेजने या मध्यस्थता प्रारंभ करने के माध्यम से शिकायत के निपात के लिए अधिकतम समय;
(घ) मध्यस्थता कार्यवाही के व्यरि;
(ङ) शिकायत नामांकन ही को समाधान होने पर शिकायत से संबंधित वक्ते की शिकायत और मध्यस्थता कार्यवाही की रिपोर्ट के लिए उपयुक्त;
(च) नेपार्थ्व या मिथथश कार्यवाही के मामले में ने की या तली कार्यवाही;
(छ) की बड़ी शिकायतों और उनके मामले का रजिस्टर रखना; और
(ज) शिकायत समाधान तंत्र की उपयुक्त पुनर्निधन।

X. अनुशासनिक कार्यवाही

23. संगठन सदस्यों के विरुद्ध कारण निष्कलिपि जारी करने अनुशासनिक कार्यवाही शुरू कर सकती है –

(क) शिकायत समाधान समिति द्वारा किए गए संदर्भ के आधार पर;
(ख) सदस्यों की मानीययों के आधार पर;
(ग) प्राधिकरण द्वारा या अन्य कार्यालय द्वारा किए गए निर्देशों के अनुसार में; या
(घ) स्वतः प्रासंगिक सूचना के आधार पर।

24. (1) संगठन की एक अनुशासनिक सीता बनी जिसमें निष्कलिपित के लिए उपयुक्त किया जाएगा–

(क) रीति जिसमें अनुशासनिक समिति तथ्यों का पता लगा सकती है;
(ख) तथ्यों के आधार पर कारण वाताओं नोटिंग जारी करना;
(ग) कारण वाताओं नोटिंग का एक व्याख्यातिक आदेश द्वारा प्रासंगिक न्याय के मिश्रणों का अनुपालन करते हुए निपातन करना;
(घ) कारण वाताओं नोटिंग के निपात के बिच्छु वातों के लिए समय सीमा; और
(ङ) कार्यवाही के प्ले के अधिकार और शास्त्रीय।

(2) अनुशासनिक समिति द्वारा पारित किए जाने वाले आदेशों में निष्कलिपित सम्मिलित होंगे –

(क) सदस्य की वक्तु; और
(ख) कुछ समय के लिए सदस्य की निर्देशित करना;
(ग) सदस्य को चेतावनी देना;

(घ) विचित्र शास्ति लगाना;

(ङ) मामले को प्राधिकरण के पास भेजना, जिसमें सम्मिलित मामलों में वापसी की राशि या प्रतिक्रिया की सिफारिश करना शामिल है जिसका प्रवर्तन बोर्ड द्वारा किया जा सकता है; और

(च) लागत से संबंधित निर्देश।

33. (3) अनुशासनिक समिति किसी सदस्य के निकासन का आदेश पारित कर सकती है यदि वह पाती है कि उस सदस्य ने किया है –

(क) तत्समय नागृत विचित्र कानून के अंतर्गत कोई अपराध जो छह महीने से अधिक कारावास के साथ बंदगी है या नैतिक श्रम का अपराध;

(ख) अधिनियम, नियम, विनियम और उनके अधीन जारी विशालितियों, उपविनियम या अधीन बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों का गंतव्य उल्लंघन जिसके कारण उसे रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकन के रूप में कार्य जारी रखने के लिए नहीं और उपरुक्त व्यक्ति नहीं माना जा सकता।

(4) अनुशासनिक समिति द्वारा पारित आदेश उक्त आदेश पारित करने की तारीख से सात दिन के अंदर संगठन के वेबसाइट पर रखा जाएगा और प्रत्येक की प्रतिलिपि कार्यवाही के प्रत्येक पक्ष को उपलब्ध कराई जाएगी।

(5) अनुशासनिक समिति के आदेश के अधीन संगठन द्वारा प्रामुख्य व्यवस्था का प्रयोग व्यवस्था के लिए किया जाएगा।

25. (1) तथ्यों के बोर्ड संगठन के एक स्वतंत्र निदेशक, कानून के क्षेत्र में अनुभव प्राप्त व्यक्ति के साथ अपील पैनल का गठन करेगा।

(2) अनुशासनिक समिति के आदेश के अंतर्गत कोई व्यक्ति अंतिम आदेश की प्रतिलिपि प्राप्त करने की तारीख से तीस दिन के अंदर अपील पैनल का समाप्त अपील कर सकता है।

(3) अपील पैनल उस अपील की प्राप्ति के तीस दिन के अंदर उसका निर्णय उसी रीति में करेगा जैसा कि वह उचित समझे।

XI. सदस्यता अभिव्यक्ति और सदस्यता से निर्षेषण

सदस्यता का अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति

26. (1) कोई सदस्य संगठन की अपनी सदस्यता के अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति के लिए कम से कम तीस दिन पहले आवेदन करेगा –

(क) यदि वह भारत में रहते थे तो व्यक्ति न रहे,

(ख) वह रोजगार लेता है; या

(ग) आचरण संहिता के अधिन विशेष रूप से अनुमति की छोड़कर कोई व्यवस्था प्रारंभ करे;

और ऐसे अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति की स्थिति पर तथा अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति के लिए आवेदन की तारीख में तीस दिन पूरे होने पर, सदस्य के नाम संगठन के रजिस्टर से अभिव्यक्ति रूप से काट दिया जाएगा और इसकी सूचना बोर्ड की दी जाएगी।
संगठन की सदस्यता से अस्थायी अभ्र्पयण के लिए कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि –

(क) संगठन या प्राधिकरण के समझ सदस्य के विरुद्ध कोई विवाद या अनुशासनकार अवधारणा लंबित है और उसमें उस कार्रवाई में सहयोग देने के बचन नहीं दिया है; या

(ख) सदस्य को कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रित मूल्यांकन के रूप में नियुक्त किया गया है और किसी अन्य रजिस्ट्रित मूल्यांकन का नियुक्ति के लिए यह प्रक्रिया हानिकारक है।

(3) कोई सदस्य, यदि उप खंड (१) में उपबंध के अनुसार स्वीकारी अभ्र्पयण की रूप में लागू न रहे, तो अपने अस्थायी अभ्र्पयण को पुनःस्थापित करने का आवेदन कर सकता है और पुनःस्थापित करने के लिए आवेदन स्वीकार हो गये पर सदस्य का नाम संगठन के रजिस्टर में दोबारा जोड़ा जाएगा और इसकी सूचना प्राधिकरण को दी जाएगी।

सदस्यता का अभ्र्पयण

27. (१) कोई सदस्य जो संगठन की अपनी सदस्यता अभ्र्पयण चाहता है, अपनी सदस्यता के अभ्र्पयण के लिए आवेदन प्रस्तुत करता है।

(2) सदस्य या प्राधिकरण के अभ्र्पयण की स्वीकृति होने पर और स्वीकृति की नारीख से तीस दिन पूरे होने पर, सदस्य का नाम संगठन के रजिस्टर में हटा दिया जाएगा और इसकी सूचना प्राधिकरण को दी जाएगी।

28. किसी सदस्य द्वारा सदस्यता का अभ्र्पयण करने के समय देव किसी शुल्क का मुताबिक संगठन के रजिस्टर से नाम काटने के पहले किया जाएगा।

29. संगठन किसी सदस्य द्वारा सदस्यता के अभ्र्पयण को स्वीकार करने से इंकार कर सकती है यदि –

(क) संगठन या प्राधिकरण के समझ सदस्य के विरुद्ध कोई विवाद या अनुशासनकार अवधारणा लंबित है और उसमें उस कार्रवाई में सहयोग देने का बचन नहीं दिया है; या

(ख) सदस्य को कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रित मूल्यांकन के रूप में नियुक्त किया गया है और किसी अन्य रजिस्ट्रित मूल्यांकन का नियुक्ति के लिए यह प्रक्रिया हानिकारक है।

सदस्यता से निष्कासन

30. कोई सदस्य संगठन द्वारा –

(क) यदि वह उप खंड ९ के अधीन नामांकित किए जाने के लिए अपाध्य हो जाता है; या

(ख) अनुशासनकार शर्तियों के आदेश की नारीख से तीस दिन समाप्त होने पर, जब तक कि इसे अपील पंक्त का भाग न रखा गया हो; या

(ग) वनिविध में दिए गए कम से कम दो नोटिस के बाद भी सदस्यता शुल्क का भुगतान न करते पर;

(घ) प्राधिकरण द्वारा उसका पंजीकरण प्राप्त नहीं किया जाने पर;

(ङ) किसी व्यापार के आदेश के अनुसरण में।

निष्कासित किया जाएगा।
<table>
<thead>
<tr>
<th>अवस्था की वेणी</th>
<th>विनिर्दिष्ट विषय में शैविक अवर्ता</th>
<th>बिनिर्दिष्ट विषय में अनुभव</th>
<th>मूल्यांकन से संबंधित शैविक पाठ्यक्रम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>(I) बृहसप्तमि एवं अवर्ता</td>
<td>विद्वत्व विविधता रत्ना से सिबिंदित इंडियनरीय, बालक या नगर आयोजना में बालक</td>
<td>विकस, शिक्षा पूरी करने के बाद विषय में पांच वर्ष का अनुभव</td>
<td>नियम 5 के अधीन विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम</td>
</tr>
<tr>
<td>(II) प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल मूल्यांकन संगठन के लिए विनिर्दिष्ट विषय में बालक</td>
<td>प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल मूल्यांकन संगठन के लिए विनिर्दिष्ट विषय 4 के अनुसार अन्य कोई बालक सत्ता की अवर्ता</td>
<td>प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>(III) संबंधित और मॅशीनरी</td>
<td>प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल मूल्यांकन संगठन के लिए विनिर्दिष्ट विषय 4 के अनुसार अन्य कोई बालक सत्ता की अवर्ता</td>
<td>प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

(1) भारतीय चार्टिड अकाउंटेंट संगठन या भारतीय नामता प्राधिकरण द्वारा इसकी मान्यता सत्ता में रेडिक्ट रूल पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम
G.S.R 1316(E).— In exercise of the powers conferred by section 247 read with sections 458, 459 and 469 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

CHAPTER I
PRELIMINARY

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.— (1) In these rules, unless the context otherwise requires —

(a) “Act” means the Companies Act, 2013 (18 of 2013);

(b) “authority” means an authority specified by the Central Government under section 458 of the Companies Act, 2013 to perform the functions under these rules;

(c) “asset class” means a distinct group of assets, such as land and building, machinery and equipment, displaying similar characteristics, that can be classified and requires separate set of valuers for valuation;

(d) “certificate of recognition” means the certificate of recognition granted to a registered valuers organisation under sub-rule (5) of rule 13 and the term “recognition” shall be construed accordingly;

(e) “certificate of registration” means the certificate of registration granted to a valuer under sub-rule (6) of rule 6 and the term “registration” shall be construed accordingly;
“partnership entity” means a partnership firm registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) or a limited liability partnership registered under the Limited Liability Partnership Act, 2008 (6 of 2009);

“Annexure” means an annexure to these rules;

“registered valuers organisation” means a registered valuers organisation recognised under sub-rule (5) of rule 13;

“valuation standards” means the standards on valuation referred to in rule 18; and

“valuer” means a person registered with the authority in accordance with these rules and the term “registered valuer” shall be construed accordingly.

Words and expressions used but not defined in these rules, and defined in the Act or in the Companies (Specification of Definitions Details) Rules, 2014, shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act or in the said rules.

CHAPTER II
ELIGIBILITY, QUALIFICATIONS AND REGISTRATION OF VALUERS

3. Eligibility for registered valuers.— (1) A person shall be eligible to be a registered valuer if he-

(a) is a valuer member of a registered valuers organisation;

Explanation.— For the purposes of this clause, “a valuer member” is a member of a registered valuers organisation who possesses the requisite educational qualifications and experience for being registered as a valuer;

(b) is recommended by the registered valuers organisation of which he is a valuer member for registration as a valuer;

(c) has passed the valuation examination under rule 5 within three years preceding the date of making an application for registration under rule 6;

(d) possesses the qualifications and experience as specified in rule 4;

(e) is not a minor;

(f) has not been declared to be of unsound mind;

(g) is not an undischarged bankrupt, or has not applied to be adjudicated as a bankrupt;

(h) is a person resident in India;

Explanation.— For the purposes of these rules ‘person resident in India’ shall have the same meaning as defined in clause (v) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) as far as it is applicable to an individual;

(i) has not been convicted by any competent court for an offence punishable with imprisonment for a term exceeding six months or for an offence involving moral turpitude, and a period of five years has not elapsed from the date of expiry of the sentence:
Provided that if a person has been convicted of any offence and sentenced in respect thereof to imprisonment for a period of seven years or more, he shall not be eligible to be registered;

(j) has not been levied a penalty under section 271J of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and time limit for filing appeal before Commissioner of Income-tax (Appeals) or Income-tax Appellate Tribunal, as the case may be has expired, or such penalty has been confirmed by Income-tax Appellate Tribunal, and five years have not elapsed after levy of such penalty; and

(k) is a fit and proper person:

Explanation.— For determining whether an individual is a fit and proper person under these rules, the authority may take account of any relevant consideration, including but not limited to the following criteria—

(i) integrity, reputation and character,

(ii) absence of convictions and restraint orders, and

(iii) competence and financial solvency.

(2) No partnership entity or company shall be eligible to be a registered valuer if-

(a) it has been set up for objects other than for rendering professional or financial services, including valuation services and that in the case of a company, it is not a subsidiary, joint venture or associate of another company or body corporate;

(b) it is undergoing an insolvency resolution or is an undischarged bankrupt;

(c) all the partners or directors, as the case may be, are not ineligible under clauses (c), (d), (e), (g), (h), (i), (j) and (k) of sub-rule (1);

(d) three or all the partners or directors, whichever is lower, of the partnership entity or company, as the case may be, are not registered valuers; or

(e) none of its partners or directors, as the case may be, is a registered valuer for the asset class, for the valuation of which it seeks to be a registered valuer.

4. Qualifications and experience.— An individual shall have the following qualifications and experience to be eligible for registration under rule 3, namely:-

(a) post-graduate degree or post-graduate diploma, in the specified discipline, from a University or Institute established, recognised or incorporated by law in India and at least three years of experience in the specified discipline thereafter; or

(b) a Bachelor’s degree or equivalent, in the specified discipline, from a University or Institute established, recognised or incorporated by law in India and at least five years of experience in the specified discipline thereafter; or

(c) membership of a professional institute established by an Act of Parliament enacted for the purpose of regulation of a profession with at least three years’ experience after such membership and having qualification mentioned at clause (a) or (b).
Explanation-I.— For the purposes of this clause the ‘specified discipline’ shall mean the specific discipline which is relevant for valuation of an asset class for which the registration as a valuer or recognition as a registered valuers organisation is sought under these rules.

Explanation-II.— Qualifying education and experience and examination or training for various asset classes, is given in an indicative manner in Annexure-IV of these rules.

5. Valuation Examination.— (1) The authority shall, either on its own or through a designated agency, conduct valuation examination for one or more asset classes, for individuals, who possess the qualifications and experience as specified in rule 4, and have completed their educational courses as member of a registered valuers organisation, to test their professional knowledge, skills, values and ethics in respect of valuation:

Provided that the authority may recognise an educational course conducted by a registered valuers organisation before its recognition as adequate for the purpose of appearing for valuation examination:

Provided also that the authority may recognise an examination conducted as part of a master’s or post graduate degree course conducted by a University which is equivalent to the valuation examination.

(2) The authority shall determine the syllabus for various valuation specific subjects or assets classes for the valuation examination on the recommendation of one or more Committee of experts constituted by the authority in this regard.

(3) The syllabus, format and frequency of the valuation examination, including qualifying marks, shall be published on the website of the authority at least three months before the examination.

(4) An individual who passes the valuation examination, shall receive acknowledgement of passing the examination.

(5) An individual may appear for the valuation examination any number of times.

6. Application for certificate of registration.— (1) An individual eligible for registration as a registered valuer under rule 3 may make an application to the authority in Form-A of Annexure-II along with a non-refundable application fee of five thousand rupees in favour of the authority.

(2) A partnership entity or company eligible for registration as a registered valuer under rule 3 may make an application to the authority in Form-B of Annexure-II along with a non-refundable application fee of ten thousand rupees in favour of the authority.

(3) The authority shall examine the application, and may grant twenty one days to the applicant to remove the deficiencies, if any, in the application.

(4) The authority may require the applicant to submit additional documents or clarification within twenty-one days.

(5) The authority may require the applicant to appear, within twenty one days, before the authority in person, or through its authorised representative for explanation or clarifications required for processing the application.

(6) If the authority is satisfied, after such scrutiny, inspection or inquiry as it deems necessary, that the applicant is eligible under these rules, it may grant a certificate of registration to the applicant to carry on the activities of a registered valuer for the relevant asset class or classes in Form-C of the Annexure-II within sixty days of receipt of the application, excluding the time given by the authority for presenting additional documents, information or clarification, or appearing in person, as the case may be.

(7) If, after considering an application made under this rule, the authority is of the prima facie opinion that the registration ought not be granted, it shall communicate the reasons for forming such an opinion within forty-five days of
receipt of the application, excluding the time given by it for removing the deficiencies, presenting additional documents or clarifications, or appearing in person, as the case may be.

(8) The applicant shall submit an explanation as to why his/its application should be accepted within fifteen days of the receipt of the communication under sub-rule (7), to enable the authority to form a final opinion.

(9) After considering the explanation, if any, given by the applicant under sub-rule (8), the authority shall either -

(a) accept the application and grant the certificate of registration; or

(b) reject the application by an order, giving reasons thereof.

(10) The authority shall communicate its decision to the applicant within thirty days of receipt of explanation.

7. Conditions of Registration.— The registration granted under rule 6 shall be subject to the conditions that the valuer shall –

(a) at all times possess the eligibility and qualification and experience criteria as specified under rule 3 and rule 4;

(b) at all times comply with the provisions of the Act, these rules and the Bye-laws or internal regulations, as the case may be, of the respective registered valuers organisation;

(c) in his capacity as a registered valuer, not conduct valuation of the assets or class(es) of assets other than for which he/it has been registered by the authority;

(d) take prior permission of the authority for shifting his/its membership from one registered valuers organisation to another;

(e) take adequate steps for redressal of grievances;

(f) maintain records of each assignment undertaken by him for at least three years from the completion of such assignment;

(g) comply with the Code of Conduct (as per Annexure-I of these rules) of the registered valuers organisation of which he is a member;

(h) in case a partnership entity or company is the registered valuer, allow only the partner or director who is a registered valuer for the asset class(es) that is being valued to sign and act on behalf of it;

(i) in case a partnership entity or company is the registered valuer, it shall disclose to the company concerned, the extent of capital employed or contributed in the partnership entity or the company by the partner or director, as the case may be, who would sign and act in respect of relevant valuation assignment for the company;

(j) in case a partnership entity is the registered valuer, be liable jointly and severally along with the partner who signs and acts in respect of a valuation assignment on behalf of the partnership entity;

(k) in case a company is the registered valuer, be liable along with director who signs and acts in respect of a valuation assignment on behalf of the company;

(l) in case a partnership entity or company is the registered valuer, immediately inform the authority on the removal of a partner or director, as the case may be, who is a registered valuer along with detailed reasons for such removal; and

(m) comply with such other conditions as may be imposed by the authority.
8. **Conduct of Valuation.**— (1) The registered valuer shall, while conducting a valuation, comply with the valuation standards as notified or modified under rule 18:

Provided that until the valuation standards are notified or modified by the Central Government, a valuer shall make valuations as per-

(a) internationally accepted valuation standards;

(b) valuation standards adopted by any registered valuers organisation.

(2) The registered valuer may obtain inputs for his valuation report or get a separate valuation for an asset class conducted from another registered valuer, in which case he shall fully disclose the details of the inputs and the particulars etc. of the other registered valuer in his report and the liabilities against the resultant valuation, irrespective of the nature of inputs or valuation by the other registered valuer, shall remain of the first mentioned registered valuer.

(3) The valuer shall, in his report, state the following:-

(a) background information of the asset being valued;

(b) purpose of valuation and appointing authority;

(c) identity of the valuer and any other experts involved in the valuation;

(d) disclosure of valuer interest or conflict, if any;

(e) date of appointment, valuation date and date of report;

(f) inspections and/or investigations undertaken;

(g) nature and sources of the information used or relied upon;

(h) procedures adopted in carrying out the valuation and valuation standards followed;

(i) restrictions on use of the report, if any;

(j) major factors that were taken into account during the valuation;

(k) conclusion; and

(l) caveats, limitations and disclaimers to the extent they explain or elucidate the limitations faced by valuer, which shall not be for the purpose of limiting his responsibility for the valuation report.

9. **Temporary surrender.**— (1) A registered valuer may temporarily surrender his registration certificate in accordance with the bye-laws or regulations, as the case may be, of the registered valuers organisation and on such surrender, the valuer shall inform the authority for taking such information on record.

(2) A registered valuers organisation shall inform the authority if any valuer member has temporarily surrendered his/its membership or revived his/its membership after temporary surrender, not later than seven days from approval of the application for temporary surrender or revival, as the case may be.

(3) Every registered valuers organisation shall place, on its website, in a searchable format, the names and other details of its valuers members who have surrendered or revived their memberships.
10. **Functions of a Valuer.**— A valuer shall conduct valuation required under the Act as per these rules and he may conduct valuation as per these rules if required under any other law or by any other regulatory authority.

11. **Transitional Arrangement.**— Any person who may be rendering valuation services under the Act, on the date of commencement of these rules, may continue to render valuation services without a certificate of registration under these rules upto 31st March, 2018:

   Provided that if a company has appointed any valuer before such date and the valuation or any part of it has not been completed before 31st March, 2018, the valuer shall complete such valuation or such part within three months thereafter.

   *Explanation./*— It is hereby clarified that conduct of valuation by any person under any law other than the Act, or these rules shall not be effected by virtue of coming into effect of these rules unless the relevant other laws or other regulatory bodies require valuation by such person in accordance with these rules in which case these rules shall apply for such valuation also from the date specified under the laws or by the regulatory bodies.

***CHAPTER III***

**RECOGNITION OF REGISTERED VALUERS ORGANISATIONS**

12. **Eligibility for registered valuers organisations.**— (1) An organisation that meets requirements under sub-rule (2) may be recognised as a registered valuers organisation for valuation of a specific asset class or asset classes if—

   (i) it has been registered under section 25 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or section 8 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013) with the sole object of dealing with matters relating to regulation of valuers of an asset class or asset classes and has in its bye laws the requirements specified in *Annexure-III*;

   (ii) a professional institute established by an Act of Parliament enacted for the purpose of regulation of a profession;

   Provided that, subject to sub-rule (3), the following organisations may also be recognised as a registered valuers organisation for valuation of a specific asset class or asset classes, namely:-

   (a) an organisation registered as a society under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or any relevant state law, or;

   (b) an organisation set up as a trust governed by the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882).

(2) The organisation referred to in sub-rule (1) shall be recognised if it—

   (a) conducts educational courses in valuation, in accordance with the syllabus determined by the authority, under rule 5, for individuals who may be its valuers members, and delivered in class room or through distance education modules and which includes practical training;

   (b) grants membership or certificate of practice to individuals, who possess the qualifications and experience as specified in rule 4, in respect of valuation of asset class for which it is recognised as a registered valuers organisation;

   (c) conducts training for the individual members before a certificate of practice is issued to them;

   (d) lays down and enforces a code of conduct for valuers who are its members, which includes all the provisions specified in *Annexure-I*;

   (e) provides for continuing education of individuals who are its members;

   (f) monitors and reviews the functioning, including quality of service, of valuers who are its members; and
(g) has a mechanism to address grievances and conduct disciplinary proceedings against valuers who are its members.

(3) A registered valuers organisation, being an entity under proviso to sub-rule (1), shall convert into or register itself as a company under section 8 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013), and include in its bye laws the requirements specified in Annexure- III, within one year from the date of commencement of these rules.

13. Application for recognition.─ (1) An eligible organisation which meets the conditions specified in rule 12 may make an application for recognition as a registered valuers organisation for asset class or classes to the authority in Form-D of the Annexure-II along with a non-refundable application fee of rupees one lakh in favour of the authority.

(2) The authority shall examine the application, and may grant twenty-one days to the applicant to remove the deficiencies, if any, in the application.

(3) The authority may require the applicant to submit additional documents or clarification within twenty-one days.

(4) The authority may require the applicant to appear, within twenty-one days, before the Authority through its authorised representative for explanation or clarifications required for processing the application.

(5) If the authority is satisfied, after such scrutiny, inspection or inquiry as it deems necessary that the applicant is eligible under these rules, it may grant a certificate of recognition as a registered valuers organisation in Form-E of Annexure-II.

(6) If, after considering an application made under sub-rule (1), the authority is of the prima facie opinion that recognition ought not to be granted, it shall communicate the reasons for forming such an opinion within forty-five days of receipt of the application, excluding the time given by it for removing the deficiencies, presenting additional documents or clarifications, or appearing through authorised representative, as the case may be.

(7) The applicant shall submit an explanation as to why its application should be accepted within fifteen days of the receipt of the communication under sub-rule (6), to enable the authority to form a final opinion.

(8) After considering the explanation, if any, given by the applicant under sub-rule (7), the authority shall either -

(a) accept the application and grant the certificate of recognition; or

(b) reject the application by an order, giving reasons thereof.

(9) The authority shall communicate its decision to the applicant within thirty days of receipt of explanation.

14. Conditions of Recognition.─ The recognition granted under rule 13 shall be subject to the conditions that the registered valuers organisation shall-

(a) continue to satisfy the eligibility requirements specified under rule 12;

(b) maintain a register of members who are registered valuers, which shall be publicly available;

(c) admits only individuals who possess the educational qualifications and experience requirements, in accordance with rule 4 and as specified in its recognition certificate, as members;

(d) make such reports to the authority as may be required by it;

(e) comply with any directions, including with regard to course to be conducted by valuation organisation under clause (a) of sub-rule (2) of rule 12, issued by the authority;
be converted or registered as company under section 8 of the Act, with governance structure and bye laws specified in Annexure-III, within a period of one year from the date of commencement of these rules if it is an organisation referred to in proviso to sub-rule (1) of rule 12;

shall have the governance structure and incorporate in its bye laws the requirements specified in Annexure-III within one year of commencement of these rules if it is an organisation referred to in clause (i) of sub-rule (1) of rule 12 and existing on the date of commencement of these rules;

display on its website, the status and specified details of every registered valuer being its valuer members including action under rule 17 being taken against him; and

comply with such other conditions as may be specified by authority.

CHAPTER IV

CANCELLATION OR SUSPENSION OF CERTIFICATE OF REGISTRATION OR RECOGNITION

15. Cancellation or suspension of certificate of registration or recognition.- The authority may cancel or suspend the registration of a valuer or recognition of a registered valuers organisation for violation of the provisions of the Act, any other law allowing him to perform valuation, these rules or any condition of registration or recognition, as the case may be in the manner specified in rule 17.

16. Complaint against a registered valuer or registered valuers organisation.- A complaint may be filed against a registered valuer or registered valuers organisation before the authority in person or by post or courier along with a non-refundable fees of rupees one thousand in favour of the authority and the authority shall examine the complaint and take such necessary action as it deems fit:

Provided that in case of a complaint against a registered valuer, who is a partner of a partnership entity or director of a company, the authority may refer the complaint to the relevant registered valuers organisation and such organisation shall handle the complaint in accordance with its bye laws.

17. Procedure to be followed for cancellation or suspension of registration or recognition certificate.— (1) Based on the findings of an inspection or investigation, or a complaint received or on material otherwise available on record, if the authorised officer is of the prima facie opinion that sufficient cause exists to cancel or suspend the registration of a valuer or cancel or suspend the recognition of a registered valuers organisation, it shall issue a show-cause notice to the valuer or registered valuers organisation:

Provided that in case of an organisation referred to in clause (ii) of sub-rule (1) of rule 12 which has been granted recognition, the authorised officer shall, instead of carrying out inspection or investigation, seek the information required from the registered valuers organisation within the time specified therein and in the case of a default, give one more opportunity to provide the information within specified time failing which or in the absence of sufficient or satisfactory information provided, either initiate the process under this rule or refer the matter to the Central Government for appropriate directions.

(2) The show-cause notice shall be in writing and shall state-

(a) the provisions of the Act and rules under which it has been issued;

(b) the details of the alleged facts;

(c) the details of the evidence in support of the alleged facts;

(d) the provisions of the Act or rules or certificate of registration or recognition allegedly violated, or the manner in which the public interest has allegedly been affected;
(e) the actions or directions that the authority proposes to take or issue if the allegations are established;

(f) the manner in which the person is required to respond to the show-cause notice;

(g) consequences of failure to respond to the show-cause notice within the given time; and

(h) procedure to be followed for disposal of the show-cause notice.

(3) The show-cause notice shall be served in the following manner by-

(a) sending it to the valuer or registered valuers organisation at its registered address by registered post with acknowledgment due; or

(b) an appropriate electronic means to the email address provided by the valuer or registered valuers organisation to the authority.

(4) The authorised officer shall dispose of the show-cause notice by reasoned order in adherence to the principles of natural justice.

(5) The order in disposal of a show-cause notice may provide for-

(a) no action;

(b) warning; or

(c) suspension or cancellation of the registration or recognition; or

(d) change in any one or more partner or director or the governing board of the registered valuers organisation.

(6) An order passed under sub-rule (5) cancelling the recognition of a registered valuers organisation, shall specify the time within which its members may take membership of another registered valuers organisation recognised for valuation of relevant asset class without prejudice to their registration.

(7) The order passed under sub-rule (5) shall be issued to the concerned person immediately, and published on the website of the authority.

(8) The order passed under sub-rule (5) shall not become effective until thirty days have elapsed from the date of issue of the order unless stated otherwise.

(9) Any person aggrieved by an order of the authorised officer under sub-rule (5) may prefer an appeal before the authority.

Explanation.— For the purposes of this rule, the authorised officer shall be an officer as may be specified by the authority.

CHAPTER V
VALUATION STANDARDS

18. Valuation Standards.— The Central Government shall notify and may modify (from time to time) the valuation standards on the recommendations of the Committee set up under rule 19.

19. Committee to advise on valuation matters.— (1) The Central Government may constitute a Committee to be known as “Committee to advise on valuation matters” to make recommendations on formulation and laying down of valuation standards and policies for compliance by companies and registered valuers.
(2) The Committee shall comprise of-

(a) a Chairperson who shall be a person of eminence and well versed in valuation, accountancy, finance, business administration, business law, corporate law, economics;

(b) one member nominated by the Ministry of Corporate Affairs;

(c) one member nominated by the Insolvency and Bankruptcy Board of India;

(d) one member nominated by the Legislative Department;

(e) up to four members nominated by Central Government representing authorities which are allowing valuations by registered valuers;

(f) up to four members who are representatives of registered valuers organisations, nominated by Central Government.

(g) Up to two members to represent industry and other stakeholder nominated by the Central Government in consultation with the authority;

(3) The Chairperson and Members of the Committee shall have a tenure of three years and they shall not have more than two tenures.

CHAPTER VI

MISCELLANEOUS

20. Punishment for contravention.- Without prejudice to any other liabilities where a person contravenes any of the provisions of these rules he shall be punishable in accordance with sub-section (3) of section 469 of the Act.

21. Punishment for false statement.— If in any report, certificate or other document required by, or for, the purposes of any of the provisions of the Act or the rules made thereunder or these rules, any person makes a statement,—

(a) which is false in any material particulars, knowing it to be false; or

(b) which omits any material fact, knowing it to be material, he shall be liable under section 448 of the Act.

ANNEXURE-I

MODEL CODE OF CONDUCT FOR REGISTERED VALUERS

[See clause (g) of rule 7 and clause (d) of sub-rule (2) of rule 12]

Integrity and Fairness

1. A valuer shall, in the conduct of his/its business, follow high standards of integrity and fairness in all his/its dealings with his/its clients and other valuers.

2. A valuer shall maintain integrity by being honest, straightforward, and forthright in all professional relationships.

3. A valuer shall endeavour to ensure that he/it provides true and adequate information and shall not misrepresent any facts or situations.

4. A valuer shall refrain from being involved in any action that would bring disrepute to the profession.
5. A valuer shall keep public interest foremost while delivering his services.

**Professional Competence and Due Care**

6. A valuer shall render at all times high standards of service, exercise due diligence, ensure proper care and exercise independent professional judgment.

7. A valuer shall carry out professional services in accordance with the relevant technical and professional standards that may be specified from time to time.

8. A valuer shall continuously maintain professional knowledge and skill to provide competent professional service based on up-to-date developments in practice, prevailing regulations/guidelines and techniques.

9. In the preparation of a valuation report, the valuer shall not disclaim liability for his/its expertise or deny his/its duty of care, except to the extent that the assumptions are based on statements of fact provided by the company or its auditors or consultants or information available in public domain and not generated by the valuer.

10. A valuer shall not carry out any instruction of the client insofar as they are incompatible with the requirements of integrity, objectivity and independence.

11. A valuer shall clearly state to his client the services that he would be competent to provide and the services for which he would be relying on other valuers or professionals or for which the client can have a separate arrangement with other valuers.

**Independence and Disclosure of Interest**

12. A valuer shall act with objectivity in his/its professional dealings by ensuring that his/its decisions are made without the presence of any bias, conflict of interest, coercion, or undue influence of any party, whether directly connected to the valuation assignment or not.

13. A valuer shall not take up an assignment if he/it or any of his/its relatives or associates is not independent in terms of association to the company.

14. A valuer shall maintain complete independence in his/its professional relationships and shall conduct the valuation independent of external influences.

15. A valuer shall wherever necessary disclose to the clients, possible sources of conflicts of duties and interests, while providing unbiased services.

16. A valuer shall not deal in securities of any subject company after any time when he/it first becomes aware of the possibility of his/its association with the valuation, and in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 or till the time the valuation report becomes public, whichever is earlier.

17. A valuer shall not indulge in “mandate snatching” or offering “convenience valuations” in order to cater to a company or client’s needs.

18. As an independent valuer, the valuer shall not charge success fee.

19. In any fairness opinion or independent expert opinion submitted by a valuer, if there has been a prior engagement in an unconnected transaction, the valuer shall declare the association with the company during the last five years.
Confidentiality

20. A valuer shall not use or divulge to other clients or any other party any confidential information about the subject company, which has come to his/its knowledge without proper and specific authority or unless there is a legal or professional right or duty to disclose.

Information Management

21. A valuer shall ensure that he/it maintains written contemporaneous records for any decision taken, the reasons for taking the decision, and the information and evidence in support of such decision. This shall be maintained so as to sufficiently enable a reasonable person to take a view on the appropriateness of his/its decisions and actions.

22. A valuer shall appear, co-operate and be available for inspections and investigations carried out by the authority, any person authorised by the authority, the registered valuers organisation with which he/it is registered or any other statutory regulatory body.

23. A valuer shall provide all information and records as may be required by the authority, the Tribunal, Appellate Tribunal, the registered valuers organisation with which he/it is registered, or any other statutory regulatory body.

24. A valuer while respecting the confidentiality of information acquired during the course of performing professional services, shall maintain proper working papers for a period of three years or such longer period as required in its contract for a specific valuation, for production before a regulatory authority or for a peer review. In the event of a pending case before the Tribunal or Appellate Tribunal, the record shall be maintained till the disposal of the case.

Gifts and hospitality.

25. A valuer or his/its relative shall not accept gifts or hospitality which undermines or affects his independence as a valuer.

Explanation.— For the purposes of this code the term ‘relative’ shall have the same meaning as defined in clause (77) of Section 2 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013).

26. A valuer shall not offer gifts or hospitality or a financial or any other advantage to a public servant or any other person with a view to obtain or retain work for himself/itself, or to obtain or retain an advantage in the conduct of profession for himself/itself.

Remuneration and Costs.

27. A valuer shall provide services for remuneration which is charged in a transparent manner, is a reasonable reflection of the work necessarily and properly undertaken, and is not inconsistent with the applicable rules.

28. A valuer shall not accept any fees or charges other than those which are disclosed in a written contract with the person to whom he would be rendering service.

Occupation, employability and restrictions.

29. A valuer shall refrain from accepting too many assignments, if he/it is unlikely to be able to devote adequate time to each of his/its assignments.

30. A valuer shall not conduct business which in the opinion of the authority or the registered valuer organisation discredits the profession.
ANNEXURE-II
FORM-A
[See sub-rule (1) of rule 6]
Application for registration as a valuer by an individual

To
The Authority
[Insert address]
From
[Name and address]

Subject: Application for registration as a valuer

Sir/Madam,

I, having been enrolled as a member with the (please write the name of the Registered valuers organisation), hereby apply for registration as a valuer under section 247 of the Companies Act, 2013 read with sub-rule (1) of rule 6 of the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017 for the following class(es) of assets:

(a) ________
(b) ________

My details are as under:

A. PERSONAL DETAILS

1. Title (Mr/Mrs/Ms):
2. Name:
3. Father’s Name:
4. Mother’s Name:
5. Date of Birth:
6. PAN No.:
7. AADHAAR No.:
8. Passport No.:
9. Address for Correspondence:
10. Permanent Address:
11. E-Mail Address
12. Mobile No:

B. EDUCATIONAL, PROFESSIONAL AND VALUATION EXAMINATION QUALIFICATIONS

1. Educational Qualifications

[Please provide educational qualifications from Bachelor’s degree onwards]
### 2. Professional Qualifications [excluding valuation specific courses]

<table>
<thead>
<tr>
<th>Professional Qualification [excluding valuation specific education/courses]</th>
<th>Institute/Professional Body</th>
<th>Membership No. (if applicable)</th>
<th>Date of enrolment</th>
<th>Remarks, if any</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 3(a) Details of valuation examination passed

<table>
<thead>
<tr>
<th>Date of examination</th>
<th>Asset class, if any</th>
<th>Marks secured</th>
<th>Percentage</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 3(b) Valuation Qualifications

<table>
<thead>
<tr>
<th>Valuation specific qualification/course</th>
<th>Recognised Registered Valuers Organisation Name</th>
<th>Recognition No</th>
<th>Asset class</th>
<th>Membership No. in Registered Valuers Organisation</th>
<th>Remarks, if any</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### C. WORK EXPERIENCE

1. Are you presently in practice / employment? (Yes or No)

2. Number of years in practice or of work experience in the relevant profession or in valuation (in years and months):

3. If in practice, address for professional correspondence:

4. Number of years in employment (in years and months):

5. Experience Details

<table>
<thead>
<tr>
<th>Sl. No.</th>
<th>From Date</th>
<th>To Date</th>
<th>Employment / Practice</th>
<th>If employed, Name of Employer and Designation</th>
<th>If in practice, experience in the relevant profession/valuation</th>
<th>Area of work</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### D. REGISTERED VALUERS ORGANISATION

1. Please give details of the registered valuers organisation of which you are a member.

2. Please state your membership number.
E. ADDITIONAL INFORMATION

1. Have you ever been convicted for an offence? Yes or No.
   If yes, please give details.

2. Are any criminal proceedings pending against you? (Yes or No)
   If yes, please give details.

3. Have you ever been declared as an undischarged bankrupt, or applied to be adjudged as Bankrupt? (Yes or No)
   If yes, please give details.

4. Please provide any additional information that may be relevant for your application.

F. ATTACHMENTS

1. Copy of proof of residence.

2. Copies of documents in support of educational qualifications, professional qualifications and Registered Valuation Examination qualifications.

3. Copies of documents demonstrating practice or work experience for the relevant period.

4. Copies of certificate of employment by the relevant employer(s), specifying the period of such employment.

5. Income Tax Returns for the last three years.

6. Copy of proof of membership with a registered valuers organisation.

7. Passport-size photo.

8. Evidence of deposit / payment of five thousand rupees.

G. AFFIRMATIONS

1. Copies of documents, as listed in section F of this application form have been attached/ uploaded. The documents attached/ uploaded are ……
   I undertake to furnish any additional information as and when called for.

2. I am not disqualified from being registered as a valuer under the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017.

3. This application and the information furnished by me along with this application is true and complete. If found false or misleading at any stage, my registration shall be summarily cancelled.

I hereby undertake to comply with the requirements of the Companies Act, 2013, the rules made thereunder, the directions given by the authority, and the bye-laws, directions and guidelines issued or the resolutions passed in accordance with the bye-laws by the registered valuers organisation with which I am enrolled.

4. The applicable fee has been paid.

   Name and Signature of applicant

Place:

Date:
VERIFICATION BY THE REGISTERED VALUERS ORGANISATION

We have verified the above details submitted by … who is our member with membership no. … and confirm these to be true and correct.
We recommend registration of … as a valuer.

(Name and Signature)
Authorised Representative of the Registered Valuers Organisation
Seal of the Registered Valuers Organisation

Place:
Date:

FORM-B
(See sub-rule (2) of rule 6)

Application for registration as a valuer by a partnership entity/Company

To
The Authority,
[Insert address]
From
[Name and address]

Subject: Application for registration as a valuer

Sir/Madam,

I, being a partner/director (strike off whichever is not applicable), being duly authorised for the purpose by the partnership entity/company through a resolution/deed (strike out whichever is not applicable) apply on behalf of [name and address of applicant partnership entity/company], and on behalf of its partners/directors, for registration as a valuer under section 247 of the Companies Act, 2013 read with sub-rule (2) of rule 6 of the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017 for the following class(es) of assets:

(a) __________
__________ The details are as under:

A. DETAILS OF THE PARTNERSHIP ENTITY/COMPANY

1. Name:

2. Registration Number/ LLP Number/CIN Number:

3. PAN No.:

4. Address for Correspondence or registered office:

5. Permanent Address:

6. E-Mail Address

7. Telephone No.:

8. Others:
B. PERSONAL DETAILS OF EACH PARTNER/DIRECTOR

Title (Mr/Mrs/Ms):

1. Name:
2. Father’s Name:
3. Mother’s Name:
4. Date of Birth:
5. PAN No.:
6. AADHAAR No.:
7. Passport No.:
8. Address for Correspondence:
9. Permanent Address:
10. E-Mail Address
11. Mobile No.:
12. Others:

C. EDUCATIONAL, PROFESSIONAL AND VALUATION EXAMINATION QUALIFICATIONS OF PARTNERS/DIRECTORS

1. Educational Qualifications
   [Please provide educational qualifications from Bachelor’s degree onwards for each partner/director]

<table>
<thead>
<tr>
<th>Educational Qualification</th>
<th>Year of Passing</th>
<th>Marks (per cent.)</th>
<th>Grade/Class</th>
<th>University/College</th>
<th>Remarks, if any</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

2. Professional Qualifications for each partner/director

<table>
<thead>
<tr>
<th>Professional Qualification</th>
<th>Institute/Professional Body/registered valuers organisation</th>
<th>Membership No. (if applicable)</th>
<th>Date of enrolment</th>
<th>Remarks, if any</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

3(a) Details of valuation examination passed (for all partners/directors who are registered valuers)

<table>
<thead>
<tr>
<th>Date of examination</th>
<th>Asset class, if any</th>
<th>Marks secured</th>
<th>Per centage</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
3(b) Valuation Qualifications (for all partners/directors who are registered valuers)

<table>
<thead>
<tr>
<th>Valuation specific qualification/course</th>
<th>Recognised Registered Valuers Organisation</th>
<th>Asset class</th>
<th>Membership No. in Registered Valuers Organisation</th>
<th>Remarks, if any.</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Name</td>
<td>Recognition No</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

D. REGISTERED VALUERS ORGANISATION

1. Please give details of the registered valuers organisation of which you are a member. Please state your membership number.

2. Please give details of the registered valuers organisations of which your partners are members. Please state your membership number.

E. ADDITIONAL INFORMATION

1. Have you or any of your partners/directors ever been convicted for an offence? (Yes or No).
   If yes, please give details.

2. Are any criminal proceedings pending against you or your partners/directors? (Yes or No)
   If yes, please give details.

3. Are you or any of your partners/directors undischarged bankrupt, or have applied to be adjudged as a bankrupt? (Yes or No)
   If yes, please give details.

4. Please provide any additional information that may be relevant for your application.

F. ATTACHMENTS


2. Copies of documents in support of educational qualifications, professional qualifications and valuation qualifications of partners/directors.

3. Financial statements/ Income Tax Returns for the last three years.

4. Copy of proof of membership with a registered valuers organisation.

5. Passport-size photo.

6. Evidence of deposit / payment of ten thousand rupees.

G. AFFIRMATIONS

1. Copies of documents, as listed in section F of this application form have been attached/ uploaded. The documents attached/ uploaded are ……
   I undertake to furnish any additional information as and when called for.
2. I am not disqualified from being registered as a valuer under the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017.

3. This application and the information furnished by me along with this application is true and complete. If found false or misleading at any stage, the registration of the applicant shall be summarily cancelled.

4. I hereby undertake that the partnership entity/company and its partners/directors shall comply with the requirements of the Companies Act, 2013, the rules made thereunder, the directions given by the authority, and the bye-laws, directions and guidelines issued or the resolutions passed in accordance with the bye-laws by the registered valuers organisation with which I am enrolled.

5. The applicable fee has been paid.

Place: ____________________________
Name and Signature of applicant’s representative

Date: ____________________________

VERIFICATION BY THE REGISTERED VALUERS ORGANISATION

We have verified the above details submitted by … who is our member with membership no. … and confirm these to be true and correct. We recommend registration of … as a valuer.

(Name and Signature)
Authorised Representative of the Registered Valuers Organisation

Place: ____________________________
Date: ____________________________

FORM-C
(See sub-rule (6) of rule 6)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

VALUE REGISTRATION NO.

1. In exercise of the powers conferred by Section 247 of the Companies Act, 2013 read with sub-rule (6) of rule 6 of the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017 the Authority hereby grants a certificate of registration to [insert name], to act as a valuer in respect of [insert asset class] in accordance with these rules.

2. This certificate shall be valid from [insert start date].

Date: ____________________________
(Name and Designation)

Place: ____________________________
For and on behalf of the Authority

APPENDIX

FORM-D
(See sub-rule (1) of rule 13)

APPLICATION FOR RECOGNITION

To
The Authority

[Insert address]
From
[Name and address]

Subject: Application for grant of certificate of recognition as a registered valuers organisation

Madam/Sir,

1. I, being duly authorised for the purpose, hereby apply on behalf of [name and address of the applicant] for grant of certificate of recognition as a registered valuers organisation in respect of the following class(es) of assets:

   (a)
   (b)

   and enclose a copy of the board resolution authorising me to make this application and correspond with the authority in this respect.

2. Copies of the articles of association, memorandum of association, trust deed, bye-laws and code of conduct, as applicable, of the applicant are enclosed.

3. I, on behalf of [insert name], affirm that the applicant is eligible to be recognised as a registered valuers organisation for the abovementioned class(es) of assets.

4. I, on behalf of [insert name], hereby affirm that –

   (a) all information contained in this application is true and correct in all material respects,

   (b) no material information relevant for the purpose of this application has been suppressed, and

   (c) recognition granted in pursuance of this application may be cancelled summarily if any information submitted is found to be false or misleading in material respects at any stage.

5. If granted recognition, I, on behalf of [insert name], undertake to comply with the requirements of the Act, the rules, directions or guidelines issued by the authority, and such other conditions and terms as may be contained in the certificate of recognition or be specified or imposed by the authority subsequently, including the requirement to convert into a company registered under section 8 of the Companies Act, 2013 within the required period, if applicable.

Yours faithfully,
Authorised Signatory
(Name)
(Designation)

Date:
Place:

APPENDIX TO FORM-D
PART
GENERAL

1. Name of the applicant.

2. Address of registered office and principal place of business of the applicant.

3. Corporate Identification Number (CIN)/ PAN/ Other Identification Number.
4. Name, designation and contact details of the person authorised to make this application and correspond with the authority in this respect.

PART II
STRUCTURE AND GOVERNANCE

1. Please provide brief details of the applicant’s—
   (i) form of establishment
   (ii) ownership structure
   (iii) governance structure

PART III
MEMBERSHIP AND EXAMINATION

1. Please provide brief details of the
   (i) number of members who practice valuation and are already registered with the applicant
   (ii) specific discipline (in terms of rule 4):
   (iii) other criteria/ qualifications for and manner of registration with the applicant

   Note: In case of organisations referred to in clause (ii) of sub-rule (1) of rule 12, in lieu of information at (i), they may provide brief details of the number of members who have passed the valuation specific course conducted by the organisation.

2. Please provide brief details of any examination conducted for registration of members with the applicant.

3. Please provide brief details of the requirements of continuous education of the applicant’s members.

PART IV
CODE OF CONDUCT

1. Please state if the Code of Conduct of the applicant is in compliance with the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017.

2. Please specify the clause number of the provisions of the Code of Conduct which are in addition to the provisions of the model Code of Conduct specified in the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017 (if any).

PART V
MONITORING AND DISCIPLINE

1. Please provide details mechanisms employed by the applicant to monitor its members.

2. Please provide details of mechanisms employed by the applicant to redress grievances against its members and itself.

3. Please provide details of disciplinary mechanisms employed by the applicant.
   Please provide any other details you consider relevant in support of the application.

   Authorised Signatory.

   (Name)
   (Designation)

Date:
Place:
FORM-E
(See sub-rule (5) of rule 13)

CERTIFICATE OF RECOGNITION REGISTERED VALUERS ORGANISATION RECOGNITION NO.
1. In exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 13 of the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017 the Registration hereby grants a certificate recognising [insert name], as a registered valuers organisation for the valuation of [insert class(es) of assets].

Conditions of Recognition

2. [Insert Name] shall admit as members who possess the educational qualifications and experience as specified herein under:

3. Conditions as laid down in rule 14 [give in detail]

4. This certificate of recognition shall be valid from [insert start date].

(Name and Designation)
For and on behalf of the Authority

Date:
Place:

ANNEXURE - III
(See sub-rule (3) of rule 12 and clauses (f) and (g) of rule 14)

Governance Structure and Model Bye Laws for registered valuers organisation

Part I

1. Governance Structure
   No person shall be eligible to be recognised as an registered valuers organisation unless it is a company registered under section 8 of the Companies Act, 2013 with share capital, and –
   (a) its sole object is to carry on the functions of a registered valuers organisation under the Companies Act, 2013;
   (b) it is not under the control of person(s) resident outside India,
   (c) not more than forty-nine per cent. of its share capital is held, directly or indirectly, by persons resident outside India; and
   (d) it is not a subsidiary of a body corporate through more than one layer:
      Explanation: “layer” in relation to a body corporate means its subsidiary;
   (e) itself, its promoters, its directors and persons holding more than ten percent. of its share capital are fit and proper persons.

2. REGISTERED VALUERS ORGANISATION TO HAVE BYE-LAWS
   (1) The registered valuers organisation shall submit to the authority its bye-laws along with the application for its registration as a registered valuers organisation.
   (2) The bye-laws shall provide for all matters specified in the model bye-laws in Part II.
   (3) The bye-laws shall at all times be consistent with the model bye-laws.
   (4) The registered valuers organisation shall publish its bye-laws, the composition of all committees formed, and all policies created under the bye-laws on its website.

3. AMENDMENT OF BYE-LAWS
   (1) The Governing Board may amend the bye-laws by a resolution passed by votes in favour being not less than three times the number of the votes, if any, cast against the resolution, by the directors.
   (2) A resolution passed in accordance with sub-byelaw (1) shall be filed with the authority within seven days from the date of its passing, for its approval.
   (3) The amendments to the bye-laws shall come into effect on the seventh day of the receipt of the approval, unless otherwise specified by the authority.
   (4) The registered valuers organisation shall file a printed copy of the amended bye-laws with the authority within fifteen days from the date when such amendment is made effective.

   (1) The Governing Board shall have a minimum of ____ [Insert number] directors.
(2) More than half of the directors shall be persons resident in India at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors.

(3) Not more than one fourth of the directors shall be registered valuers.

(4) More than half of the directors shall be independent directors at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors:

Provided that no meeting of the Governing Board shall be held without the presence of at least one independent director.

(5) An independent director shall be an individual –

(a) who has expertise in the field of finance, law, management or valuation;

(b) who is not a registered valuer;

(c) who is not a shareholder of the registered valuers organisation; and

(d) who fulfils the requirements under sub-section (6) of section 149 of the Companies Act, 2013.

(6) The directors shall elect an independent director as the Chairperson of the Governing Board.

Explanation - For the purposes of bye laws, any fraction contained in

(a) ‘more than half’ shall be rounded off to the next higher number; and

(b) ‘not more than one-fourth’ shall be rounded down to the next lower number.

PART II

MODEL BYE-LAWS OF A REGISTERED VALUERS ORGANISATION

I. GENERAL

1. The name of the registered valuers organisation is “____” (hereinafter referred to as the ‘Organisation’).

2. The ‘Organisation’ is registered as a company under section 8 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013) with its registered office situated at ______ [provide full address].

3. These bye-laws may not be amended, except in accordance with this Annexure.

II. DEFINITIONS

4. (1) In these bye-laws, unless the context otherwise requires -

(a) “certificate of membership” means the certificate of membership of the Organisation granted under bye-law 10;

(b) “Act” means the Companies Act, 2013 (18 of 2013);

(c) “Governing Board” means the Board of Directors or Board of the Organisation as defined under clause (10) of section 2 of Companies Act, 2013 (18 of 2013);
(d) “relative” shall have the same meaning as assigned to it in clause (77) of section 2 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013);

(2) Unless the context otherwise requires, words and expressions used and not defined in these bye-laws shall have the meanings assigned to them in the Companies Act, 2013 (18 of 2013).

III. OBJECTIVES

5. (1) The Organisation shall carry on the functions of the registered valuers organisation under the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017, and functions incidental thereto.

(2) The Organisation shall not carry on any function other than those specified in sub-clause (1), or which is inconsistent with the discharge of its functions as a registered valuers organisation.

IV. DUTIES OF THE ORGANISATION

6. (1) The Organisation shall maintain high ethical and professional standards in the regulation of its members.

(2) The Organisation shall -

(a) ensure compliance with the Companies Act, 2013 and rules, regulations and guidelines issued thereunder governing the conduct of registered valuers organisation and registered valuers;

(b) employ fair, reasonable, just, and non-discriminatory practices for the enrolment and regulation of its members;

(c) be accountable to the authority in relation to all bye-laws and directions issued to its members;

(d) develop the profession of registered valuers;

(e) promote continuous professional development of its members;

(f) continuously improve upon its internal regulations and guidelines to ensure that high standards of professional and ethical conduct are maintained by its members; and

(g) provide information about its activities to the authority.

V. COMMITTEES OF THE ORGANISATION

Advisory Committee of Members

7. (1) The Governing Board may form an Advisory Committee of members of the Organisation to advise it on any matters pertaining to-

(a) the development of the profession;

(b) standards of professional and ethical conduct; and

(c) best practices in respect of Valuation.

(2) The Advisory Committee may meet at such places and times as the Governing Board may provide.
Other Committees of the Organisation.

8. (1) The Governing Board shall constitute-

(a) one or more Membership Committee(s) consisting of such members as it deems fit;

(b) a Monitoring Committee consisting of such members as it deems fit;

(c) one or more Grievance Redressal Committee(s), with not less than three members;

(d) one or more Disciplinary Committee(s) consisting of at least one member nominated by the authority.

(2) The Chairperson of each of these Committees shall be an independent director of the Organisation.

VI. MEMBERSHIP

Eligibility for Enrolment.

9. No individual shall be enrolled as a member if he is not eligible to be registered as a registered valuer with the authority:

Provided that the Governing Board may provide additional eligibility requirements for enrolment:

Provided further that such additional requirements shall not discriminate on the grounds of religion, race, caste, gender, place of birth or professional affiliation.

Process of Enrolment as Member.

10. (1) An individual may apply for enrolment as a member by submitting an application in such form, in such manner and with such fees as may be specified by the Organisation.

(2) The Organisation shall examine the application in accordance with the applicable provisions of the rules, regulations and guidelines thereunder.

(3) On examination of the application, the Organisation shall give an opportunity to the applicant to remove the deficiencies, if any, in the application.

(4) The Organisation may require an applicant to submit additional documents, information or clarification that it deems fit, within reasonable time.

(5) The Organisation may reject an application if the applicant does not satisfy the criteria for enrolment or does not remove the deficiencies or submit additional documents or information to its satisfaction, for reasons recorded in writing.

(6) The rejection of the application shall be communicated to the applicant stating the reasons for such rejection, within thirty days of the receipt of the application, excluding the time given for removing the deficiencies or presenting additional documents or clarification by the Organisation, as the case may be.

(7) The acceptance of the application shall be communicated to the applicant, along with a certificate of membership.
(8) An applicant aggrieved of a decision rejecting his application may appeal to the Membership Committee of the Organisation within thirty days from the receipt of such decision.

(10) The Membership Committee shall pass an order disposing of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

Membership Fee.

11. The Organisation may require the members to pay a fixed sum of money as its annual membership fee.

Register of Members.

12. (1) The Organisation shall maintain a register of its professional members, containing their-

   (a) name;
   (b) proof of identity;
   (c) contact details;
   (d) address;
   (e) date of enrolment and membership number;
   (f) date of registration with the authority and registration number;
   (g) details of grievances pending against him with the Organisation;
   (h) details of disciplinary proceedings pending against him with the Organisation; and
   (i) details of orders passed against him by the authority or Disciplinary Committee of the Organisation.

(2) The records relating to a member shall be made available for inspection to-

   (a) the authority,
   (b) any other person who has obtained the consent of the member for such inspection.

VII. DUTIES OF MEMBERS

13. (1) In the performance of his functions, a member shall-

   (a) act in good faith in discharge of his duties as a registered valuer;
   (b) discharge his functions with utmost integrity and objectivity;
   (c) be independent and impartial;
   (d) discharge his functions with the highest standards of professional competence and professional ethics;
   (e) continuously upgrade his professional expertise;
   (f) comply with applicable laws in the performance of his functions; and
14. The Organisation shall have a Code of Conduct that shall be consistent with, and that shall provide for all matters in the Code of Conduct as specified in the Annexure-I.

VIII. MONITORING OF MEMBERS

15. The Organisation shall have a Monitoring Policy to monitor the professional activities and conduct of members for their adherence to the provisions of the Act, rules, regulations and guidelines issued thereunder, these bye-laws, the Code of Conduct and directions given by the Governing Board.

16. A member shall submit information about ongoing and concluded engagements as a registered valuer, in the manner and format specified by the Organisation, at least twice a year stating inter alia, the date of assignment, date of completion and reference number of valuation assignment and valuation report.

17. The Monitoring Committee shall review the information and records submitted by the members in accordance with the Monitoring Policy.

18. The Monitoring Policy shall provide for the following -

(a) the frequency of monitoring;

(b) the manner and format of submission or collection of information and records of the members, including by way of inspection;

(c) the obligations of members to comply with the Monitoring Policy;

(d) the use, analysis and storage of information and records;

(e) evaluation of performance of members; and

(f) any other matters that may be specified by the Governing Board.

19. The Monitoring Policy shall –

(a) have due regard for the privacy of members,

(b) provide for confidentiality of information received, except when disclosure of information is required by the authority or by law, and

(c) be non-discriminatory.

20. The Organisation shall submit a report to the authority in the manner specified by the authority with information collected during monitoring, including information pertaining to -

(a) the details of the appointments made under the Act/these Rules,

(b) the transactions conducted with stakeholders during the period of his appointment;

(c) the transactions conducted with third parties during the period of his appointment; and

(d) the outcome of each appointment.
IX. **GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM**

21. (1) The Organisation shall have a Grievance Redressal Policy providing the procedure for receiving, processing, redressing and disclosing grievances against the Organisation or any member of the Organisation by-

   (a) any member of the Organisation;
   
   (b) any person who has engaged the services of the concerned members of the Organisation; or
   
   (c) any other person or class of persons as may be provided by the Governing Board.

(2) The Grievance Redressal Committee, after examining the grievance, may-

   (a) dismiss the grievance if it is devoid of merit; or
   
   (b) initiate a mediation between parties for redressal of grievance.

(3) The Grievance Redressal Committee shall refer the matter to the Disciplinary Committee, wherever the grievance warrants disciplinary action.

22. The Grievance Redressal Policy shall provide for-

   (a) the format and manner for filing grievances;
   
   (b) maximum time and format for acknowledging receipt of a grievance;
   
   (c) maximum time for the disposal of the grievance by way of dismissal, reference to the Disciplinary Committee or the initiation of mediation;
   
   (d) details of the mediation mechanism
   
   (e) provision of a report of the grievance and mediation proceedings to the parties to the grievance upon dismissal or resolution of the grievance;
   
   (f) action to be taken in case of malicious or false complaints;
   
   (g) maintenance of a register of grievances made and resolutions arrived at; and
   
   (h) periodic review of the Grievance Redressal Mechanism.

X. **DISCIPLINARY PROCEEDINGS**

23. The Organisation may initiate disciplinary proceedings by issuing a show-cause notice against members-

   (a) based on a reference made by the Grievances Redressal Committee;
   
   (b) based on monitoring of members;
   
   (c) following the directions given by the authority or any court of law; or
   
   (d) *suo moto*, based on any information received by it.

24. (1) The Organisation shall have a Disciplinary Policy, which shall provide for the following -
(a) the manner in which the Disciplinary Committee may ascertain facts;

(b) the issue of show-cause notice based on the facts;

(c) disposal of show-cause notice by a reasoned order, following principles of natural justice;

(d) timelines for different stages of disposal of show cause notice; and

(e) rights and obligations of the parties to the proceedings.

2) The orders that may be passed by the Disciplinary Committee shall include-

(a) expulsion of the member;

(b) suspension of the member for a certain period of time;

(c) admonishment of the member;

(d) imposition of monetary penalty;

(e) reference of the matter to the authority, which may include, in appropriate cases, recommendation of the amount of restitution or compensation that may be enforced by the authority; and

(f) directions relating to costs.

3) The Disciplinary Committee may pass an order for expulsion of a member if it has found that the member has committed-

(a) an offence under any law for the time being in force, punishable with imprisonment for a term exceeding six months, or an offence involving moral turpitude;

(b) a gross violation of the Act, rules, regulations and guidelines issued thereunder, bye-laws or directions given by the Governing Board which renders him not a fit and proper person to continue acting as a registered valuer.

4) Any order passed by the Disciplinary Committee shall be placed on the website of the Organisation within seven days from passing of the said order, with one copy each being provided to each of the parties to the proceeding.

5) Monetary penalty received by the Organisation under the orders of the Disciplinary Committee shall be used for the professional development.

25. (1) The Governing Board shall constitute an Appellate Panel consisting of one independent director of the Organisation, one member each from amongst the persons of eminence having experience in the field of law and field of valuation, and one member nominated by the authority.

(2) Any person aggrieved of an order of the Disciplinary Committee may prefer an appeal before the Appellate Panel within thirty days from the receipt of a copy of the final order.

(3) The Appellate Panel shall dispose of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

XI. SURRENDER OF MEMBERSHIP AND EXPULSION FROM MEMBERSHIP

Temporary Surrender of Membership.
26. (1) A member shall make an application for temporary surrender of his membership of the Organisation at least thirty days before he-

(a) becomes a person not resident in India;

(b) takes up employment; or

(c) starts any business, except as specifically permitted under the Code of Conduct;

and upon acceptance of such temporary surrender and on completion of thirty days from the date of application for temporary surrender, the name of the member shall be temporarily struck from the registers of the Organisation, and the same shall be intimated to the authority.

(2) No application for temporarily surrender of membership of the Organisation shall be accepted if-

(a) there is a grievance or disciplinary proceeding pending against the member before the Organisation or the authority, and he has not given an undertaking to cooperate in such proceeding; or

(b) the member has been appointed as a registered valuer for a process under the Companies Act, 2013, and the appointment of another registered valuer may be detrimental to such process.

(3) A member may make an application to revive his temporarily surrendered membership when the conditions for temporary surrender as provided in sub-clause (1) cease to be applicable, and upon acceptance of the application for revival, the name of the member shall be re-inserted in the register of the Organisation, and the same shall be intimated to the authority.

Surrender of Membership

27. (1) A member who wishes to surrender his membership of the Organisation may do so by submitting an application for surrender of his membership.

(2) Upon acceptance of such surrender of his membership, and completion of thirty days from the date of such acceptance, the name of the member shall be struck from the registers of the Organisation, and the same shall be intimated to the authority.

28. Any fee that is due to the Organisation from a member surrendering his membership shall be cleared prior to his name being struck from the registers of the Organisation.

29. The Organisation may refuse to accept the surrender of membership by any member if-

(a) there is any grievance or disciplinary proceeding pending against the member before the Organisation or the authority; or

(b) the member has been appointed as a registered valuer process under the Companies Act, 2013, and the appointment of another registered valuer may be detrimental to such process.

Expulsion from Membership.

30. A member shall be expelled by the Organisation–

(a) if he becomes ineligible to be enrolled under bye-law 9;
(b) on expiry of thirty days from the order of the Disciplinary Committee, unless set aside or stayed by the Appellate Panel;

(c) upon non-payment of membership fee despite at least two notices served in writing;

(d) upon the cancellation of his certificate of registration by the authority;

(e) upon the order of any court of law.

**ANNEXURE-IV**

**Indicative Matrix on requisite qualifications/experience in specified discipline**

(See Explanation II to rule 4)

<table>
<thead>
<tr>
<th>Asset Class</th>
<th>Educational qualification in specified discipline</th>
<th>Experience in specified discipline</th>
<th>Valuation Specific Education Course</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Graduate level</td>
<td>Post Graduate level</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>(I) Land and Building</td>
<td>(A) Graduate in Civil Engineering, Architecture or town planning of a recognised University</td>
<td>------</td>
<td>Five years of experience in the discipline after completing Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(B) Graduate in Civil Engineering, Architecture or town planning of a recognised University</td>
<td>post-graduate in Civil Engineering, Architecture or town planning of a recognised University</td>
<td>three years of experience in the discipline after completing Post Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(C) Graduate in a discipline specified by the Authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition</td>
<td>post-graduate in valuation of land and building or real estate from a recognised university</td>
<td>five years of experience in the discipline after completing Post Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Any other graduate level qualification in accordance with rule 4 as may be specified by the Authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>Any other post graduate level qualification in accordance with rule 4 as may be specified by the Authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>At least five years and three years of experience in case of graduate level degree and post graduate level degree respectively.</td>
</tr>
<tr>
<td>Plant and Machinery</td>
<td>(A) Graduate in Mechanical or Electrical Engineering of a recognised University</td>
<td>------</td>
<td>Five years of experience in the discipline after completing Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(B) Graduate in Mechanical or Electrical Engineering of a recognised University</td>
<td>Post Graduate in Mechanical or Electrical Engineering of a recognised University</td>
<td>Three years of experience in the discipline after completing Post Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(C) Graduate in valuation of machinery and plant from a recognised university</td>
<td>Post-graduate degree in valuation of machinery and plant from a recognised university</td>
<td>Three years of experience in the discipline after completing Post Graduation</td>
</tr>
<tr>
<td>Securities or Financial Assets</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>(1) Member of the Institute of Chartered Accountants or The Institute of Cost Accountants of India or the Institute of Company Secretaries of India;</td>
<td>Three years of experience in the discipline after completing graduation.</td>
</tr>
<tr>
<td>-------------------------------</td>
<td>-----------------------</td>
<td>------------------------------------------------------------------</td>
<td>-------------------------------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>(2) MBA/PGDBM specialisation in finance;</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>(3) Post Graduate Degree in Finance</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Any other graduate level qualification in accordance with rule 4 as may be specified by the authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>Any other post graduate level qualification in accordance with rule 4 as may be specified by the authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>At least five years and three years of experience in case of graduate level degree and post graduate level degree respectively.</td>
<td>Courses as per syllabus specified under rule 5</td>
</tr>
<tr>
<td>Any other asset class along with corresponding qualifications and experience in accordance with rule 4 as may be specified by the authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>Any other post graduate level qualification in accordance with rule 4 as may be specified by the authority for a registered valuers organisation in its conditions of recognition.</td>
<td>At least five years and three years of experience in case of graduate level degree and post graduate level degree respectively.</td>
<td>Courses as per syllabus specified under rule 5</td>
</tr>
</tbody>
</table>